RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शनिवार , 30 मई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 72 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नीट पेपर लीक: एनटीए को ''सुप्रीम'' फटकार

एनटीए को यूपीएससी से सीखने की जरूरत, यूपीएससी में कभी पेपर लीक नहीं होता, जवाबदेही तय होने तक ऐसी घटनाएं नहीं रुकेंगी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी

नीट पेपर लीक मामले में पिछले 20 दिनों से देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन, यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट और अन्य ने एनटीए को भंग करने के लिए याचिकाएं लगाई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नीट-यूजी पेपर लीक मामले पर कहा कि जवाबदेही तय होने तक ऐसी घटनाएं रुकने वाली नहीं हैं। कोर्ट में मौजूद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से सवाल किया कि यूपीएससी तो आपसे बड़े पैमाने पर परीक्षा करवाता है, वहां कभी पेपर लीक नहीं हुआ। एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत है। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद एनटीए पेपरलीक की जांच पर नजर रख रहे हैं ताकि कोई चूक न हो। केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस नरसिम्हा ने शिक्षा मंत्रालय से नीट-पीजी परीक्षाओं की जांच प्रक्रिया का ब्योरा मांगा। सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि पेपर लीक के बाद बड़े लेवल पर सुधार किए हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हम युवाओं को लेकर गंभीर हैं। नीट-यूजी री-टेस्ट के लिए नए तरीके अपनाए गए हैं। देशभर में 3 मई को नीट-यूजी परीक्षा हुई थी। 7 मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। 21 जून को री-एग्जाम होगा।

सुप्रीम कोर्ट का सवाल- सुधार के बावजूद नाकामी क्यों

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को भंग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान 2024 में नीट पेपर लीक के बाद बनाई गई हाई-पावर मॉनिटरिंग कमेटी के प्रमुख और पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. के राधाकृष्णन से पूछा कि सिफारिशों और सुधारों के बावजूद इस बार नाकामी क्यों हुई।

केंद्र सरकार एनटीए को मजबूत बनाने के लिए क्या करेगी: कोर्ट

कोर्ट ने कहा- एनटीए अभी स्थायी और मजबूत संस्था की तरह काम नहीं कर रही है। केंद्र सरकार एनटीए को मजबूत बनाने के लिए क्या करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि एनटीए को आईआईटी और दूसरे बड़े संस्थानों के विशेषज्ञों की मदद लेनी चाहिए, ताकि भविष्य में परीक्षाएं सुरक्षित तरीके से हो सकें। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस नरसिम्हा, सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और कमेटी की ओर से राधाकृष्णन सुनवाई में शामिल हुए।

जस्टिस नरसिम्हा: हाई पावर्ड कमेटी के बावजूद पेपर लीक जैसी घटना कैसे हुई? गड़बड़ी सिफारिशों में थी या इम्प्लीमेंटेशन में।

राधाकृष्णन: कमेटी ने 35 लॉन्ग टर्म और 60 शॉर्ट टर्म सुझाव दिए थे, ज्यादातर लागू हो चुके हैं।

जस्टिस नरसिम्हा: अगर तैयारी थी तो नीट-यूजी में फिर समस्या क्यों हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने को दी अनुमति

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महिला कुश्ती पहलवान विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के लिए 30 मई से होने वाले ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि वो दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश में कोई दखल नहीं देगा। उच्चतम न्यायालय ने भले ही विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के लिए 30 मई से होने वाले ट्रायल के लिए अनुमति दे दी लेकिन इस बात पर एतराज जताया कि उन्होंने डोपिंग टेस्ट को मिस किया और वो कहां है इसे लेकर भारतीय कुश्ती संघ को अंधेरे में रखा। तीन जून 2025 को आपने सूचित किया कि आपकी छुट्टी समाप्त हो गई है और आप काम शुरू करेंगी।

हाईकोर्ट 3 महीने से ज्यादा फैसला सुरक्षित न रखें: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने देश भर के उच्च न्यायालय में लंबित मामलों और फैसलों पर चिंता जताते हुए एक दिशा-निर्देश जारी किया है। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि जिन मामलों में फैसला सुरक्षित हो जाए, उनमें अधिकतम तीन महीने के अंदर फैसला सुना दिया जाए। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि जमानत से जुड़े मामलों में आदेश आदर्श रुप से अगले दिन जारी किए जाएं और उसी दिन जेल प्रशासन तक पहुंचाया जाए। उच्चतम न्यायालय ने ये भी कहा कि जिन विचाराधीन कैदियों को जमानत मिल चुकी है, उनकी रिहाई उसी दिन या अधिकतम अगले दिन सुनिश्चित की जानी चाहिए। कोर्ट ने दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि कोर्ट पहले अपने आदेश का प्रभावी हिस्सा खुली अदालत में सुनाएगी और विस्तृत कारण सात दिनों के भीतर वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। कोर्ट ने ये भी कहा कि जिस दिन फैसला सुरक्षित रखा गया हो उसकी जानकारी भी संबंधित उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी।

जोजरी नदी प्रदूषण मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, अधिकारी की जवाबदेही तय करने का आदेश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान की जोजरी नदी में प्रदूषण के मामले पर सख्ती दिखाते हुए प्रदूषण के लिए जिम्मेदार अधिकारी की जवाबदेही तय करने का आदेश दिया। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने राज्य के डीजीपी को एफआईआर दर्ज करने औ? एसआईटी जांच कराने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने साफ किया कि इस पूरे मामले में ऊपर से लेकर नीचे तक सभी अधिकारियों की भूमिका की जांच होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि जांच सिर्फ औपचारिक नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए कि आखिर जोजरी नदी की यह हालत कैसे हुई। उच्चतम न्यायालय ने ये भी साफ कर दिया कि अगर कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं हुआ, तो अवमानना की कार्रवाई शुरू की जा सकती है। उच्चतम न्यायालय ने 17 नवंबर, 2025 को जोजरी नदी में प्रदूषण को हटाने को लेकर राजस्थान सरकार को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि हम सुनिश्चित करेंगे कि एनजीटी के आदेश से आगे कुछ ठोस कदम उठाए जाएं।

मानसून में देरी पर कृषि मंत्री ने राज्यों को आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करने के दिए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली/एजेंसी

मानसून में देरी और अल नीनो जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य सरकारों के साथ मिलकर व्यापक आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। चौहान ने कहा कि सरकार ने किसानों को कम समय में पकने वाले बीजों की उपलब्धता और समय पर कृषि सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बीज की उपलब्धता पर्याप्त है।

चौहान ने शुक्रवार को पूसा में पत्रकारों से कहा कि अच्छा बीज कृषि उत्पादन की पहली और सबसे जरूरी शर्त है। देश में बीज की पर्याप्त उपलब्धता होने के बावजूद भी कई बार सही समय पर किसान तक बीज नहीं पहुंच पाता, जो चिंता का विषय है। उन्होंने सभी राज्यों से कहा कि वे समय पर ब्रीडर सीड और अन्य आवश्यक बीज उठाएं, वितरण व्यवस्था मजबूत करें और यह सुनिश्चित करें कि खरीफ सीजन में किसानों को सही बीज समय पर मिले। खराब गुणवत्ता वाले बीज किसी भी हाल में बाजार में नहीं जाने चाहिए और इसके लिए प्रभावी निगरानी तथा सख्त कार्रवाई जरूरी है।

4 1

कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार के सभी विधायकों और मंत्रियों की संपत्ति की जांच की मांग

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। जिले में कांग्रेस पार्टी कार्यालय में कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कांग्रेस पार्टी प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आवाहन पर प्रेस वार्ता कर भाजपा सरकार के सभी पूर्व और वर्तमान विधायकों और मंत्रियों की संपत्ति की जांच की मांग की है।

कांग्रेस पार्टी जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने बताया कि महोबा की एक दलित छात्रा का अपहरण कर 16 दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया, उसके साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया गया बल्कि नरभक्षीय व्यवहार किया गया। भाजपा सरकार का कोई नुमाइंदा पीड़िता के घर नहीं पहुँचा, जब उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय पीड़िता का दुख साझा करने उसके घर जा रहे थे तो उन्हें रोकने की हर संभव कोशिश की गई मगर वह पीड़िता के घर पहुँच गए।

उन्होंने बताया कि यह संवेदनहीन सरकार जो खुद तो पीड़िता का दुख साझा करने की संवेदना नहीं रखता वह कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के जाने से इतना व्याकुल हो गया कि पूरे प्रदेश में सरकार की सह पर भाजपा कार्यकताओं द्वारा उनके इस मानवीय और मार्मिक कार्य के विरोध ने अजय राय खिलाफ धरना प्रदर्शन शुरू हो गए। कार्यकर्ता तो कार्यकर्ता सरकार के मंत्री और विधायक भी आगे आकर प्रदेश अध्यक्ष का विरोध करने लगे। बौखलाई सरकार के नुमांइदों ने अजय राय के खिलाफ उनकी संपत्ति की जांच की मांग की है।

उन्होंने बताया कि बड़ा हास्ययास्पद है कि आकंठ और भ्रष्टाचार में डूबी यह भाजपा सरकार और उनके मंत्री और विधायक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की संपत्ति की जांच की मांग कर रहें हैं जबकि उनका सारा सार्वजनिक जीवन खुली किताब की तरह है। अभी दो दिनों पूर्व ही आगरा नगर निगम ने प्राइवेट बिजली कंपनी टोरेंट का 430 करोड़ रुपए माफ किए हैं. इसके पहले हजारों करोड़ रुपए पूंजीपतियों के माफ कर उनसे भाजपा ने वसूली की है। कांग्रेस यह सिद्ध कर चुकी है काम लो चंदा दो की नीति भाजपा सरकार बना चुकी है तथा ईडी, आयकर के छापों से वसूली की नीति भी भाजपा की बनाई हुई है इससे बड़ा भ्रष्टाचार का उदाहरण भला और क्या हो सकता है?

उन्होंने कहा कि सरकार को वाकई अगर भ्रष्टाचार को बेनकाब करना है और उनमें अगर साहस है तो अपने मंत्रियों और विधायकों की सम्पत्ति की जांच करा ले,तो उन्हें यह पता चल जाएगा कि पिछले 9 सालों में कितनी लूट हुई है।

मिड-डे मील से लेकर सड़कों तक, अस्पताल की दवाईयों से लेकर मनरेगा तक चारो तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है। यहां तक कि इन लोगों ने प्रभु राम की नगरी अयोध्या तक को नहीं छोड़ा है। न सिर्फ मंदिर के चंदे पर लूट हुई है बल्कि जितना अयोध्या में विकास नाम पर धन उगाही हुई है वह तबके सामने है।

उन्होंने कहा कि हम राहुल गांधी के सिपाही हैं, हम सार्वजनिक जीवन में पूरी तरीके से सुचिता बरतते हैं, जिस एजेंसी से चाहिए हमारी जांच करा लीजिए मगर शर्त यह है कि उन्हीं एजेंसियों से भाजपा सरकार के मंत्रियों और विधायकों की भी जांच होनी चाहिए।

इस दौरान प्रदेश सचिव राम बहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष आशीष मिश्रा पप्पू,जिला महासचिव श्याम सिंह भदौरिया,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,जिला सचिव हेमन्त रावत,वार्ड सचिव नौशे आलम,आलोक त्रिपाठी,प्रियांशु त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

बिंदकी थाने का पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण,मचा हड़कंप

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा थाना बिंदकी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव, बैरक, पुलिस आवास, विवेचना कक्ष, CCTNS कार्यालय, शस्त्रागार, भोजनालय, मिशन शक्ति कक्ष, मालखाना, हवालात एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया।

इस दौरान एसपी द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, परिसर की स्वच्छता बनाए रखने तथा कानून-व्यवस्था संबंधी कार्यों को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित किए जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कप्तान ने लंबित विवेचनाओं का जल्द निस्तारण का दिया निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा थाना बिंदकी में क्षेत्राधिकारी बिंदकी, थाना प्रभारी, समस्त उप निरीक्षकों तथा कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित कर कानून-व्यवस्था, लंबित प्रकरणों के निस्तारण, विवेचनाओं की गुणवत्ता एवं सीसीटीएनएस प्रणाली की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान एसपी ने सीसीटीएनएस प्रणाली को नियमित रूप से अद्यतन रखा जाए तथा लंबित विवेचनाओं का शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विवेचनाओं में समयबद्ध कार्यवाही, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं थाना परिसर में अनुशासन एवं स्वच्छता बनाए रखने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी द्वारा थाना स्तर पर जनसुनवाई को प्रभावी बनाए जाने, फरियादियों के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाने तथा अपराध नियंत्रण हेतु सक्रिय पुलिसिंग पर विशेष बल दिया गया।

परिवार परामर्श केंद्र द्वारा परिवार के मध्य कराया गया सुलह समझौता

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 द्वितीय चरण के अंतर्गत (टूटते परिवार को जोड़ने की एक पहल) का आयोजन में परिवार परामर्श केंद्र में कॉउंसलिंग के उपरांत शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक संगीता सिंह व काउंसलर श्रीमती कविता रस्तोगी जी द्वारा एक प्रकरण में समझौता कराया गया । दंपति वैचारिक मतभेद/आपसी मनमुटाव को भुलाकर साथ रहने को हुए राजी व सहयोगार्थ म0आ0 यशस्वी शर्मा मौजूद रहीं।

पुलिस मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर व 25 हजार का इनामिया अंतर्जनपदीय शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से अवैध तमंचा 315 बोर, चोरी का कॉपर का तार, एक मोटरसाइकिल, एक मोबाइल व नगदी बरामद

हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। जनपद फतेहपुर के थाना कल्यानपुर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पुलिस मुठभेड़ के दौरान 25 हजार रुपये के इनामिया एवं हिस्ट्रीशीटर अंतर्जनपदीय शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, चोरी का कॉपर तार, एक मोटरसाइकिल, एक मोबाइल फोन तथा नगदी बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में क्षेत्र में चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान शुक्रवार को संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की जांच के समय पुलिस को एक मोटरसाइकिल सवार युवक दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखकर वह भागने लगा। पीछा किए जाने पर उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई और घेराबंदी के बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस टीम द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त के बायें पैर में गोली लगी, जिससे वह

घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस टीम द्वारा घायल अभियुक्त को तत्काल हिरासत में लेकर उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया।

पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अलीरजा पुत्र मोहम्मद हनीफ निवासी ग्राम चौरेहा थाना बिंदकी जनपद फतेहपुर हाल पता चौडगरा थाना कल्यानपुर जनपद फतेहपुर एक शातिर अपराधी के रूप में हुई, जिसके खिलाफ विभिन्न जनपदों में चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट समेत कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने उसके पास से चोरी का कॉपर तार, अवैध तमंचा 315 बोर, एक कारतूस, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन तथा नकदी बरामद की है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियुक्त अली रजा ने पूछताछ में बताया कि वह अपने साथी पिंटू सिंह चौहान पुत्र मंगल निवासी ग्राम भग्गा का पुरवा थाना मलवा जनपद फतेहपुर एवं अन्य साथियों के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह बनाकर रेलवे एवं अन्य स्थानों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है। अभियुक्त ने बताया कि गैंग का मुख्य उद्देश्य चोरी कर आर्थिक एवं भौतिक लाभ अर्जित करना है। गैंग के सदस्य पहले रेलवे सिग्नल, एलएच (छल्ह) एवं अन्य स्थानों की रेकी करते हैं तथा योजनाबद्ध तरीके से रेलवे सिग्नल के पास लगे कॉपर के केबलों को कमजोर कर मौका पाकर कुछ ही मिनटों में काट लेते हैं। अभियुक्त के अनुसार गैंग के कुछ सदस्य घटना के दौरान कैमरों की डीवीआर निकाल लेते हैं ताकि कोई साक्ष्य न बच सके, जबकि अन्य सदस्य कॉपर के तार एवं अर्थिंग कॉपर पट्टियों को चोरी कर लेते हैं। अभियुक्त ने बताया कि गैंग का सरगना पिंटू सिंह चौहान पूर्व में रेलवे में कार्य कर चुका है, जिस कारण उसे रेलवे की तकनीकी जानकारी है तथा उसी के बताए अनुसार गैंग के सदस्य कार्य करते हैं। चोरी किए गए कॉपर तार एवं अन्य सामान को अलग-अलग स्थानों पर बेचकर प्राप्त धनराशि गैंग के सदस्यों में आपस में बांट ली जाती है। अभियुक्त ने बताया कि गैंग द्वारा अधिकांश घटनाएं जनपद फतेहपुर एवं कानपुर नगर क्षेत्र में की जाती हैं तथा घटना के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए गैंग के सदस्य अपने रिश्तेदारों एवं अन्य सुरक्षित स्थानों पर जाकर छिप जाते हैं। इस गिरोह के हरिओम शुक्ला व निर्भय सिंह को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अन्य सदस्य की गिरफ्तारी हेतु लगातार दबिश दी जा रही है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप और आमजन में सुरक्षा का भाव मजबूत हुआ है।

अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह को भावभीनी विदाई दी गई

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । जनपद कौशाम्बी में अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह के गैर जनपद स्थानांतरण होने पर एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह/प्रतिमा भेंट कर उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी गई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों द्वारा श्री राजेश कुमार सिंह के जनपद में कार्यकाल की सराहना की गई तथा उनके द्वारा कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने, अपराध नियंत्रण एवं प्रशासनिक कार्यों में दिए गए योगदान को उल्लेखनीय बताया गया। अधिकारियों ने उनकी कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित एवं जनोन्मुखी कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में पुलिस एवं प्रशासन के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित हुआ, जिससे जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई।

इस अवसर पर नवागंतुक अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी श्रीमती अमिता सिंह, समस्त क्षेत्राधिकारी शिवांक सिंह, सीओ अभिषेक सिंह, सीओ जेपी पांडेय सहित अन्य अधिकारियों द्वारा भी अपर पुलिस अधीक्षक को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति उपहार भेंट कर शुभकामनाएं दी गईं।

सभी अधिकारियों द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक को उनके भावी दायित्वों हेतु शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई।

आत्महत्या के लिये उकसाने वाले वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। गुरुवार वादी बृजलाल पुत्र मुन्नी लाल निवासी चन्दूपुर अमरायन थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी द्वारा थाना चरवा पर सूचना दी गई कि मेरी बहन के पति द्वारा मेरी बहन को शराब के नशे में मारता पीटता व गाली गलौज करता था जिससे परेशान होकर उसने आत्महत्या कर लिया है ।

शुक्रवार को थाना चरवा पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से संबंधित वाछित अभियुक्त सुभाष चन्द्र पुत्र स्व0सरजू प्रसाद निवासी ग्राम कूड़ापुर मजरा सैय्यद सरावां थाना चरवा जनपद कौशाम्बी को मीरकुंडी तिराहा रेलवे ओवरब्रिज के पास से गिरफ्तार किया गया ।

मंझनपुर पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा विद्युत अधिनियम थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त महताब पुत्र नसीर अहमद निवासी चकनगर कस्बा व थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

प्रयागराज में पेपर लीक : भ्रष्टाचार, धांधली के खिलाफ कॉकरोच युवाओं की एकता को आइसा का समर्थन

प्रदेश अध्यक्ष बोले - न्याय मांगने पर युवाओं को कॉकरोच कहा गया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आइसा प्रयागराज में पेपर लीक, भ्रष्टाचार और धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में प्रतियोगी युवा सड़कों पर कैंडल मार्च करते हुए विरोध दर्ज किए जाने का समर्थन करता है। इलाहाबाद में कैंडल मार्च के रूप में युवाओं का प्रतिरोध कटरा से चंद्रशेखर आजाद पार्क तक किया गया। अपनी तात्कालिक मांग लेखपाल की परीक्षा को पेपर लीक के कारण तत्काल रद्द कर पुनः परीक्षा कराई जाने तथा यूपीएसआई की परीक्षा का अंक पत्र जारी करने की मांग को

लेकर जुलूस चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा तक पहुंचा। आइसा ने भर्ती परीक्षाओं में हो रहे भ्रष्टाचार और सरकार की खामोशी पर जवाब मांगा तथा परीक्षाओं को पारदर्शी तरीके से कराए जाने की मांग की।

प्रदर्शन में शामिल प्रदेश अध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा कि लेखपाल की प्रतियोगी परीक्षा, नीट की परीक्षा ,नेट जेआरएफ की परीक्षा सभी प्रकार की परीक्षाओं और युवाओं का भविष्य इस सरकार में दांव पर लगा हुआ है। मौजूदा सरकार किसी भी तरह की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है और न ही भ्रष्ट अधिकारियों पर किसी प्रकार की कार्यवाही की जा रही है। प्राइवेट कंपनियों को टेंडर देकर भर्ती परीक्षाएं कराई जाने के कारण लगातार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं जिस पर रोक लगाने पर यह सरकार नाकाम रही है। आइसा प्रतियोगी छात्रों के इस आंदोलन का समर्थन करता है और सरकार से पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करता है।प्रदेश उपाध्यक्ष कामरेड विवेक ने भी आंदोलन को समर्थन दिया तथा इसे कॉकरोच की एकता बताया।

आइसा के कार्यकर्ता आर्यन ने कहा कि इलाहाबाद के कॉकरोच दीमकों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़ेंगे।

दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की 03 मोटरसाइकिल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को थाना खानपुर पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान 2 अभियुक्तों को चोरी की एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। जिनकी निशांदेही पर स्याना रोड शमशान घाट की झाडियों से चोरी की 02 मोटरसाइकिल बरामद की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पता

अब्दुल्ला पुत्र फहीमुल्ला निवासी मौ0 बागवाला कस्वा व थाना खानपुर जनपद बुलन्दशहर, आसिक पुत्र आबिद निवासी मौ0 नेकजन वार्ड कस्बा व थाना खानपुर जनपद।

हाईव पर बनाए गए अवैध कटों का अधिकारियों द्वारा किया गया निरीक्षण

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । शुक्रवार को जनपद कौशाम्बी में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी सिराथू, एआरटीओ कौशाम्बी एवं ठलअक टीम द्वारा थाना सैनी क्षेत्रान्तर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग ठल-19 पर बनाए गए अवैध कटों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा सड़क पर बनाए गए अवैध कटों से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं एवं यातायात बाधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही सड़क सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने एवं आमजन की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

इस दौरान थानाध्यक्ष सैनी त्रिलोकी नाथ पांडेय द्वारा मौके पर उपस्थित रहकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा गया तथा निरीक्षण कार्य को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया गया।

राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक में डीएम का निर्देश

पांच साल से अधिक पुराने वाद एवं अन्य राजस्व मामले को जून तक हर दशा में निस्तारित करें

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। संगम सभागार में अपर जिलाधिकारियों, उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ बैठक में राजस्व कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पांच साल से अधिक पुराने वादो एवं पांच साल से अधिक अन्य राजस्व से सम्बंधित प्रकरणों को जून माह तक अनिवार्य रूप से निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही साथ उन्होंने तीन वर्ष से अधिक लम्बित वादों एवं राजस्व से सम्बंधित अन्य प्रकरणों को भी शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने को कहा है। जिलाधिकारी ने धारा-34 के अन्तर्गत निर्विवादित वरासत से सम्बंधित प्रकरणों को अनिवार्य रूप से निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिए है। तहसील सोरांव में तीन साल

एवं पांच साल से अधिक सबसे ज्यादा लम्बित वादों एवं राजस्व से सम्बंधित अन्य प्रकरणों के पाये जाने पर जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को ऐसे वादों एवं प्रकरणों को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिए है। धारा-67 के अन्तर्गत अवैध कब्जे से सम्बंधित लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने तहसील करछना, फूलपुर एवं मेजा में ज्यादा प्रकरण लम्बित पाये जाने पर सम्बंधित उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदारों को तेजी से लम्बित मामलों को निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने अवैध खनन के विरूद्ध प्रभावी प्रवर्तन की कार्रवाई करने पर जोर दिया। उन्होंने भूमाफियाओ के विरूद्ध भी कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री, अंश निर्धारण तथा जनगणना से सम्बंधित कार्यों में तेजी लाए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को नियमित रूप से कोर्ट में बैठने तथा मुकदमों की नियमित रूप से सुनवाई करते हुए निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर सभी अपर जिलाधिकारियों के अलावा उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार के अलावा अन्य राजस्व से सम्बंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हत्या अभियोग में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मुट्ठीगंज पुलिस ने हत्या के अभियोग में वांछित अभियुक्त लल्ले धुरिया निवासी 263 मालवीय नगर थाना मुट्ठीगंज जनपद प्रयागराज, हाल पता 744 मालवीय नगर थाना मुट्ठागंज जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर नव निर्मित बारादरी घाट से गिरफ्तार किया है। श्रीमती अंजु शर्मा पत्नी ज्ञान बाबू शर्मा निवासिनी 304/273 मालवीय नगर मुट्ठीगंज प्रयागराज द्वारा पुलिस को सूचना दी गयी कि उनके लड़के की गोली मारकर हत्या कर दी गयी है। इस संबंध मे थाना मुट्ठीगंज पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 47/2026 धारा 103(1)/61(2)(क) बीएनएस का मुकदमा दर्ज कर अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमो का गठन किया गया। पुलिस ने बताया कि इस अभियोग से सम्बन्धित दो अभियुक्तों विमल शर्मा उर्फ विमल पंडा निवासी 3/3 कूंचा राय थाना अतरसुईया जनपद प्रयागराज, आकाश अरोड़ा उर्फ भोला पंजाबी निवासी 874 मालवीय नगर थाना मुट्ठीगंज जनपद प्रयागराज को पूर्व मे गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

महिला हेल्पडेस्क, एंटीरोमियो टीम थाना सीयूजी नंबरों की जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

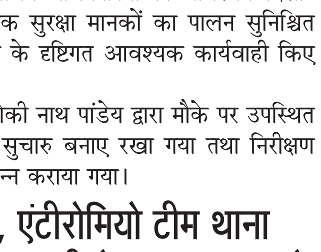

कौशांबी । एसपी सत्यनारायण के कुशल निर्देशन में विभिन्न थानों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता एवं सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया।

इस दौरान बालिकाओं/महिलाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों, साक्षरता, नए आपराधिक कानूनों एवं साइबर अपराध से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी अवगत कराया गया।

अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान की गई– 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन एवं 181 महिला हेल्पलाइन।

महापौर रितू तावडे से विधायक प्रमोद जठार की मुलाकात, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और पर्यटन से जुड़े चार प्रमुख मुद्दे उठाए

सबसे तेज प्रयागराज

मुंबई। विधायक प्रमोद शांताराम जठार ने आज मुंबई की महापौर रितू तावडे से सदिच्छा मुलाकात कर मुंबई में महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य व्यवस्था, पायाभूत सुविधाओं और पर्यटन विकास से जुड़े चार महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मांगों का निवेदन महापौर को सौंपा। मुलाकात के बाद बृहन्मुंबई भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में विधायक प्रमोद जठार ने पत्रकारों को इन मांगों की जानकारी दी।

पत्रकार परिषद में विधायक प्रमोद जठार ने बताया कि उन्होंने मुंबई के विकास और नागरिक सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए चार प्रमुख प्रस्ताव महापौर के समक्ष रखे हैं।

सबसे पहले उन्होंने वीरमाता जिजाबाई भोसले उद्यान (रानी बाग) में पर्यटकों और बच्चों के मनोरंजन के लिए मिनी टॉय ट्रेन शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुंबई के ऐतिहासिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस उद्यान में प्रतिदिन हजारों पर्यटक, विद्यार्थी और परिवार आते हैं। ऐसे में टॉय ट्रेन शुरू होने से पर्यटकों को पूरे उद्यान का भ्रमण आसानी से कराया जा सकेगा, बच्चों के लिए मनोरंजन की नई सुविधा उपलब्ध होगी तथा महानगरपालिका के राजस्व में भी वृद्धि होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इससे मुंबई पर्यटन को भी बड़ी गति मिलेगी।

दूसरे मुद्दे के रूप में विधायक जठार ने कोकण क्षेत्र की महिला बचत समूहों और महिला संस्थाओं द्वारा तैयार किए जाने वाले घरेलू एवं पारंपरिक उत्पादों के लिए

स्थायी बाजार उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि मसाले, काजू, आम, फणस प्रक्रिया उत्पाद, कोकम, हस्तकला और अन्य खाद्य सामग्री तैयार करने वाली महिलाओं को बृहन्मुंबई महानगरपालिका की बाजारपेठों अथवा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर स्थायी स्टॉल उपलब्ध कराए जाने चाहिए, ताकि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके।

तीसरे मुद्दे के रूप में उन्होंने बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सभी अस्पतालों में ह्लमहापौर रुग्ण सहाय्यता निधि कक्षह्व शुरू करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि मुंबई और मुंबई के बाहर से आने वाले आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को समय पर उपचार के लिए आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यदि यह सहायता कक्ष शुरू किया जाता है तो जरूरतमंद मरीजों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध हो सकेगी और उपचार प्रक्रिया सरल होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि इस योजना की शुरूआत प्रायोगिक तौर पर सबसे पहले केईएम अस्पताल से की जाए और बाद में चरणबद्ध तरीके से अन्य महानगरपालिका अस्पतालों में इसे लागू किया जाए।

इसके अलावा विधायक प्रमोद जठार ने केईएम अस्पताल परिसर को हेल्थ कॉरिडॉर के रूप में विकसित करने की मांग भी महापौर के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि केईएम, वाडिया, टाटा और महात्मा गांधी कामगार अस्पताल परिसर में बढ़ती यातायात समस्या को देखते हुए एम्बुलेंस के लिए अलग मार्ग बनाया जाना चाहिए। साथ ही पुनर्विकास परियोजनाओं के अंतर्गत विकासकों को अतिरिक्त एफएसआई देकर मरीजों के परिजनों के लिए सुसज्जित और किफायती धर्मशालाएं विकसित की जानी चाहिए। उन्होंने पूरे परिसर के सुनियोजित विकास की भी मांग की।

विधायक प्रमोद जठार ने उम्मीद जताई कि महापौर इन सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक निर्णय लेंगी और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे।

'हिंदुत्व की परम्परा संस्कृति एवं इतिहास का बोधक'

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा, क्रांतिकारी वीर सावरकर की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सारस्वत गोष्ठी में उनके विशिष्ट साहित्यिक अवदानों पर विस्तार पूर्वक मंथन किया गया। देश के इस महान सपूत की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उपस्थित बुद्धिजीवियों ने उन्हें हिंदुत्व का सच्चा भाष्यकार बताया।

अलोपीबाग स्थित महाराष्ट्र लोक सेवा मंडल के सभागार में 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर की दृष्टि में हिन्दुत्त्व' विषयक गोष्ठी में वक्ताओं ने अपने विचार रखे। विनायक दामोदर सावरकर द्वारा लिखित पुस्तक 'हिंदुत्व' पर चर्चा के क्रम में वक्ताओं ने एक स्वर से कहा कि वे जितने बड़े क्रांतिकारी थे, उतने ही बड़े साहित्यकार भी थे। उनकी अदम्य रचनात्मकता की पुष्टि इस तथ्य से हो जाती है कि अंडमान एवं रत्नागिरी की अंधेरी काल कोठरी में रहकर उन्होंने हिन्दुत्व समेत आठ ग्रंथ लिखे, जो आज उनके चिंतन के दस्तावेज बन गए हैं।

मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ० मुरार जी त्रिपाठी ने कहा कि सावरकर की दृष्टि में हिंदुत्व एक भू -सांस्कृतिक अवधारणा है। हिंदुत्व शब्द में एक राष्ट्र, हिंदू जाति के अस्तित्व तथा पराक्रम के सम्मिलित होने का बोध होता है। उनके अनुसार यह शब्द नहीं एक परंपरा है?, एक इतिहास है।

हिंदुत्व का समानार्थक हिंदुइज्म नहीं हो सकता। विशिष्ट वक्ता एवं चिन्तक-लेखक चारुमित्र पाठक ने 1935 की उस ऐतिहासिक सभा का उल्लेख किया, जिसमें डॉ० अम्बेडकर ने यह घोषणा की थी कि "मैं पैदा तो जरूर

हिन्दू हुआ हूँ, पर हिन्दू मरूँगा नहीं"। इस पर वीर सावरकर ने उन्हें एक पत्र भेजा, जिसमें उन्होंने लिखते हुए कहा था कि आप बहुत शीघ्र उकता गये। दुनिया के हर मजहब में ऊँच-नीच और भेदभाव है। ईसाई मतों में भी कुल संघर्ष और नस्लभेद है। इस्लाम में भी अशराफ, अफजाल और अरजाल का भेद है। मतांतरित ईसाई या मुस्लिम्स की स्थिति देख लीजिए, आपस में किस भेदभाव से गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि हिन्दुत्व से भारतीय राष्ट्रीयता का बोध है, पर जिस क्षण आप हिन्दुत्व से अलग होते हैं, आप में भारतीयता का भाव कम हो जाता है।

अध्यक्षीय वक्तव्य में वरिष्ठ शिक्षाविद डा० मधुकर गुणे ने कहा कि सावरकर जी के चिन्तन का सार यही है कि जो भारत और उसकी विरासत, परम्पराओं, संस्कृति पर विश्वास करता है और आस्था रखता है, वह हिन्दू है। इसके मूलतः तीन आधार होते हैं-भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तत्व। वे जीवन भर अपने सिद्धांतों और मूल्यों पर अडिग रहे, कभी झुके नहीं। यहाँ तक कि दो-दो आजीवन कारावास से दण्डित हुए। कारावास में भी उनकी रचनात्मकता जगी रही, यह बड़ी बात है। सन्तोष की बात है कि सावरकर जी का चिन्तन आज फलीभूत हो रहा है।

गोष्ठी का प्रारम्भ महाराष्ट्र लोक सेवक मण्डल के अध्यक्ष अरविन्द जी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य है साँस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार का बढ़ावा। संचालन करते हुए व्रतशील शर्मा ने कहा कि आज के कार्यक्रम की रूपरेखा सावरकर जी के विगत वर्ष सम्पन्न हुए आयोजन में नियत हो गई थी। उद्देश्य है कि सावरकर जी के असाधारण व्यक्तित्व-कृतित्व पर चर्चा तो हो ही, उनके रचनात्मक अवदान पर भी चिन्तन हो, जिससे लोगों को पता चले कि सावरकर जी कितने प्रबुद्ध चिन्तक और असाधारण रचनाकार भी हैं।

उन्होंने कहा कि हिन्दुत्व के सन्दर्भ में सावरकर जी जैसे चिन्तक ही यह लिख सकते हैं कि हिन्दुत्व कोई सामान्य शब्द नहीं है। यह एक परम्परा और इतिहास है।

सतीश पौराणिक ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विवेक पौराणिक, मधुकर व्यास, श्रीमती रंजना गुणे, कृष्ण कुमार मिश्र, धर्मेन्द्र कुमार चौबे, मनोज केलकर, राजेन्द्र गोखले, विजय सातभाई, विजय बेहेरे, दिलीप सप्रे, मनु पाठक, प्रवीण तिवारी, विकास केलकर, विकास तिवारी सहित अन्य उपस्थित रहे ।

किसानों के हितार्थ हर स्तर पर किया जाएगा संघर्षः बबलू दुबे

विभिन्न समस्याओं को लेकर एडिशनल सीपी व मुख्य अभियंता बिजली से मिले भाकियू नेता

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। किसानों के हितार्थ और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा। यह बातें भारतीय किसान युनियन अराजनैतिक के प्रयागराज मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे ने कही। वे शुक्रवार को प्रयागराज में किसानों की समस्याओं को लेकर संबंधित अधिकारियों से मिलने के बाद कही। किसान नेता बबलू दुबे इसके पूर्व पुलिस विभाग से संबंधित समस्याओं को लेकर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ अजय पाल शर्मा से मिले। जबकि बिजली संबंधित समस्याओं के निस्तारण हेतु प्रयागराज मंडल के मुख्य अभियंता ग्रामीण एवं चकबंदी संबंधी समस्याओं के निस्तारण के लिए चकबंदी बंदोबस्त अधिकारी प्रयागराज संजीव कुमार से मिलकर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने समस्याओं के तत्काल निस्तारण हेतु अधीनस्थों को आदेशित भी किया है। इससे किसान की इन समस्याओं का त्वरित निदान हो जाएगा। इस दरम्यान किसान नेता के साथ मंडल सचिव राजेन्द्र कुमार, अजय सिंह युवा मंडल अध्यक्ष, दीपक तिवारी युवा वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष मंडल प्रयागराज, ऐ तौफीक अहमद, ज्ञानेंद्र कुमार यादव ब्लॉक अध्यक्ष कौड़िहार, राम प्रताप यादव ब्लॉक उपाध्यक्ष, आदित्य वर्मा ब्लाक अध्यक्ष आदि लोग मौजूद रहे।

प्रयागराज मंडल की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के साथ बैठक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । शुक्रवार को प्रयागराज मण्डल कार्यालय के संकल्प सभागार में प्रयागराज मंडल के अधिकारियों की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के साथ बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक के अध्यक्ष मण्डल रेल प्रबन्धक/ प्रयागराज रजनीश अग्रवाल थे । इस बैठक में अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/सामान्य दीपक कुमार, अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/इन्फ्रा, धनंजय कुमार सिंह और वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, हरिमोहन, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक/ समन्वय शिवम शर्मा; वरिष्ठ मंडल इंजीनियर / समन्वय, मो. जावेद अख्तर, उप मुख्य यातायात प्रबन्धक/कानपुर अकांशु गोविल एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे ।

बैठक की शुरूआत में अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/सामान्य दीपक कुमार ने सभी सदयों को प्लांटर देकर उनका स्वागत किया । रेल उपयोगकताओं को रेलवे द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवा में सुधार करने के उपायों के लिए रेलवे प्रशासन और उपयोगकताओं की प्रतिनिधि - मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की रेल प्रशासन के साथ समय-समय पर बैठक आयोजित की जाती है।

रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुये मण्डल रेल प्रबन्धक/ प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल ने कहा कि आप आम जनमानस एवं रेल यात्रियों की समस्याओं, अपेक्षाओं एवं सुझावों को हमारे समक्ष रखते हैं। आपके बहुमूल्य सुझाव यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने तथा जनहित के अनुरूप विकास कार्यों को गति प्रदान करने में सदैव सहायक रहे हैं । प्रयागराज मंडल के सभी विभागों द्वारा टीम भावना के साथ किए जा रहे कार्यों के परिणामस्वरूप मंडल निरंतर नई उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहा है। सुरक्षित, संरक्षित एवं सुगम रेल यात्रा उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मण्डल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रमुख स्टेशनों का विकास कार्य प्रगति पर है । साथ ही प्रयागराज जंक्शन एवं कानपुर सेंट्रल स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों के माध्यम से यात्रियों को आधुनिक एवं विश्वस्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

बिना सुनवाई एटीवीएम फैसिलिटेटर का चयन निरस्त करना रेलवे को पड़ा भारी

हाईकोर्ट ने कहा- आदेश से छवि प्रभावित होती है तो सुनवाई जरूरी, एक माह में निर्णय लेने का निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर मध्य रेलवे द्वारा एटीवीएम फैसिलिटेटर रोहित सोनी का चयन निरस्त किए जाने के मामले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि यदि किसी आदेश से संबंधित व्यक्ति की छवि प्रभावित होती है तो उसे पारित करने से पहले सुनवाई का अवसर देना आवश्यक है।

खंडपीठ में शामिल न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद ने यह आदेश रोहित सोनी बनाम भारत संघ एवं अन्य मामले की सुनवाई के दौरान दिया।

याची की ओर से अधिवक्ता नीतीश कुमार सोनी ने अदालत को बताया कि 27 अप्रैल 2026 को सहायक वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, नॉर्थ सेंट्रल रेलवे ने रोहित सोनी का एटीवीएम फैसिलिटेटर के रूप में अनुबंध बिना कारण बताओ नोटिस और बिना सुनवाई के तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया। साथ ही 50 हजार रुपये की सुरक्षा धनराशि भी जब्त कर ली गई।

याचिका में आरोप लगाया गया कि रेलवे प्रशासन ने एकतरफा और दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई करते हुए प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन किया है। वहीं रेलवे प्रशासन की ओर से अदालत में कहा गया कि मामले में सक्षम अधिकारी को याची की शिकायत पर विचार करने का निर्देश दिया जा सकता है।

रिकॉर्ड का अवलोकन करने के बाद हाईकोर्ट ने माना कि विवादित आदेश याची के खिलाफ ह्लकलंकह्व उत्पन्न करता है, इसलिए आदेश पारित करने से पहले सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए था।

अदालत ने मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी किए बिना याचिका का निस्तारण करते हुए याची को एक माह के भीतर सहायक वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के समक्ष नया प्रत्यावेदन देने की अनुमति दी। साथ ही निर्देश दिया कि सक्षम अधिकारी याची को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देकर एक माह के भीतर कानून के अनुसार निर्णय लें।

फजीर्वाड़ा करने वाला युवक पुलिस के हत्थे चढ़ा, स्विफ्ट कार बरामद

उ0प्र0 परिवहन विभाग की कूटरचित प्रशमन शुल्क रसीद बनाकर वाहन रिलीज कराया था

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जार्जटाउन पुलिस द्वारा धारा 319(2)/318(4) 338/336(3)/340(2) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त राजीव कुमार सिंह उर्फ मुन्ना निवासी हुल्ला का पूरा, बगबना डांडो थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी मुखबिर की सूचना पर हरिनगर रेलवे लाइन के किनारे थाना क्षेत्र जार्जटाउन से की गई। इसके कब्जे से घटना मे प्रयुक्त एक कार स्विफ्ट डिजायर रजि0नं0 यूपी 70 सीके 9015 बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ विभिन्न थानों में कई गंभीर केस के मुकदमे दर्ज हैं।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी

अध्यक्ष पद पर छह उम्मीदवार मैदान में, विभिन्न पदों पर कुल 128 प्रत्याशी आजमा रहे किस्मत

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिला अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। चुनाव अधिकारी बेणी माधव पांडेय ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए छह प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। उपाध्यक्ष पद पर 19, महिला उपाध्यक्ष पद पर चार, मंत्री पद पर 13, संयुक्त मंत्री पद पर 17 और महिला संयुक्त मंत्री पद पर चार प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे।

इसके अलावा पुस्तकालयाध्यक्ष पद के लिए 11, ऑडीटर पद के लिए सात तथा कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए 39 प्रत्याशियों ने मैदान में अपनी दावेदारी पेश की है। महिला कार्यकारिणी सदस्य पद पर आठ प्रत्याशी चुनाव लड़ रही हैं।

चुनाव अधिकारी के अनुसार नामांकन पत्रों की जांच के दौरान मंत्री पद के प्रत्याशी ऋषि कुमार का नामांकन अवैध पाए जाने पर निरस्त कर दिया गया। वहीं कार्यकारिणी सदस्य पद के तीन दावेदारों के नामांकन भी जांच में खारिज कर दिए गए।

आंधी तूफान बारिश के दौरान कच्चा मकान पर पेड़ गिरने से महिला वा दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत

यदि गरीब परिवार को मिल गया होता प्रधानमंत्री आवास तो नहीं होती तीन निर्दोष लोगों की मौत

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के पूरब शरीरा के वार्ड नंबर 5 गांधी नगर दूनी तिवारी का पूरा गांव में शुक्रवार की रात तीन बजे आई तेज आंधी तूफान और बारिश के दौरान एक कच्चा मकान पर पेड़ गिर गया जिससे कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। हादसे में एक महिला और दो छोटे-छोटे बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया मकान गिरने की जानकारी मिलते ही गांव के तमाम लोग आधी रात को मौके पर पहुंचे और बचाव एवं राहत कार्य में लग गए मकान के मालवा में दबे लोगों को बाहर निकाला गया लेकिन तब तक तीन लोगों की मौत हो गई थी एक बच्चा घायल था जिसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी लेते हुए राहत कार्य कराया।

जानकारी के मुताबिक पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के पूरब शरीरा के वार्ड नंबर 5 गांधी नगर दूनी तिवारी का पूरा गांव निवासी मंगल सरोज ईट भट्ठे में मजदूरी कर परिवार का जीविकोपार्जन करता है जिससे वहां अक्सर घर के बाहर रहता था बीती रात उसके कच्चे घर में उसकी पत्नी माया देवी उम्र 26 वर्ष अपने बेटी श्वेता 4 वर्ष बेटा अनुभव तीन वर्ष और बेटा अंकुश 6 वर्ष के साथ घर में सो रही थी रात में लगभग 3:00 बजे आंधी तूफान और बारिश के दौरान घर के बाहर लगा पेड़ मकान के ऊपर गिर गया जिससे पूरा मकान भरभरा कर सो रहे परिजनों के ऊपर गिर गया जिससे मकान के मालवा में पूरा परिवार दब गया पेड़ और मकान गिरने की आवाज सुनकर गांव के सैकड़ो लोग मौके पर पहुंचे और मकान के गिरे मालवा को हटाकर उसके नीचे दबे परिवार के लोगों को बाहर निकाला लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और मकान में दबने से माया देवी उसकी बेटी श्वेता अनुभव की मौत हो चुकी थी और उसका बेटा अंकुश गंभीर घायल था मामले की सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों मृतक लोगों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायल बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है एक साथ एक परिवार के तीन लोगों की मौत के बाद पूरे गांव में दुख दिखाई पड़ रहा है।

पीएम आवास ना देने के बाद तीन मौत का जिम्मेदार कौन

कौशांबी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीब परिवार को समय रहते योजना के लाभ से लाभान्वित कर प्रधानमंत्री आवास देकर पक्का घर बनवा दिया गया होता तो शायद कच्चा मकान ना गिरता और तीन लोगों की एक साथ मौत ना होती मकान गिरने से तीन लोगों की मौत के बाद एक बार फिर प्रधानमंत्री आवास योजना की धांधली उजागर हो रही है महिला बेहद गरीब थी पीएम आवास योजना की पात्र थी तो उसे जिम्मेदारों ने प्रधानमंत्री आवास देकर पक्का घर क्यों नहीं दिया यह पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़ा है

अधिकारी और नेताओं की उजागर हुई संवेदनहीनता

कौशांबी ।पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र में आधी रात को कच्चा मकान गिर जाने के बाद एक परिवार में माँ और दो बच्चों की दर्दनाक मौत के बाद अधिकारियों और नेताओं की संवेदनहीनता उजागर हुई है ।

एक गरीब परिवार का सब कुछ उजड़ गया है तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई मौत के पीछे सरकारी नुमाइंदों के भ्रष्टाचार के कारनामे उजागर हो गए यदि समय रहते गरीब परिवार को प्रधानमंत्री आवास दे दिया गया होता तो तीन निर्दोष लोगों की मौत ना होती लेकिन इससे बड़ी भी संवेदनहीनता तब उजागर हुई जब तीन लोगों की मौत के बाद सांसद विधायक पूर्व सांसद और पूर्व विधायक के साथ-साथ डीएम एसडीएम एडीएम भी मृतक परिवार के घर नहीं पहुंचे हैं जिससे इन अधिकारियों और नेताओं के संवेदनहीनता का अंदाजा लगाया जा सकता है इतना ही नहीं जिले से डिप्टी सीएम भी है लेकिन तीन मौत के बाद मृतक के घर तक डिप्टी सीएम या उनके प्रतिनिधि नहीं पहुंच सके हैं हालांकि विधानसभा का चुनाव लड़ने के कुछ संभावित प्रत्याशी जरूर पहुंचे है और मौत के बाद वोट बैंक बनाने मृतक परिवार के घर तक पहुंचे हैं मौत के बाद भी राजनीति करने से नेता मौका नहीं चूके हैं।

रोडवेज बस की टक्कर से गड्ढे में पलटी कार, दंपति समेत तीन की मौत

भेस्की गांव के पास दर्दनाक हादसा, झूंसी जा रहे परिवार की कार कई बार पलटकर गहरे गड्ढे में गिरी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसे में दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। भेस्की गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार रोडवेज बस की टक्कर लगने के बाद कार अनियंत्रित होकर कई बार पलटते हुए सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

जौनपुर के चौथार मीरगंज निवासी 60 वर्षीय राकेश त्रिपाठी पत्नी 56 वर्षीय प्रभावती देवी, बेटे 28 वर्षीय राहुल त्रिपाठी और रिश्तेदार 27 वर्षीय शुभम दुबे निवासी हरिपट्टी मोंढ, भदोही के साथ कार से झूंसी जा रहे थे। शुभम दुबे कपड़ा व्यवसायी थे और वही कार चला रहे थे। बताया जा रहा है कि भेस्की गांव के पास अचानक एक रोडवेज बस डिवाइडर कट से विपरीत लेन में आ गई, जिससे सामने से आ रही कार उसकी चपेट में आ गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार तीन-चार बार पलटते हुए सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। हंडिया पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी सैदाबाद पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने राकेश त्रिपाठी, प्रभावती देवी और शुभम दुबे को मृत घोषित कर दिया। राहुल त्रिपाठी को मामूली चोटें आई हैं।

हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दूसरी गाड़ी को बचाने के प्रयास में बस चालक नियंत्रण खो बैठा और बस डिवाइडर पार कर विपरीत लेन में पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ग्राइंडर मशीन से गला रेत युवक ने दी जान

पत्नी से विवाद के बाद अवसादग्रस्त युवक ने उठाया आत्मघाती कदम, परिवार में मचा कोहराम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। फूलपुर नगर पंचायत स्थित कोहना मोहल्ले में घरेलू विवाद से परेशान एक युवक ने ग्राइंडर मशीन से खुद का गला रेतकर आत्महत्या कर ली। घटना गुरुवार देर रात की है। सूचना पर पहुंची फूलपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

कोहना मोहल्ला निवासी मोहम्मद हबीब कुरैशी का 26 वर्षीय बेटा शाहरुख उर्फ अतीक वेल्डिंग का काम करता था। करीब तीन वर्ष पहले उसका निकाह मऊआइमा निवासी गुल्फशां से हुआ था। परिजनों के मुताबिक पिछले करीब दो वर्षों से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। मामला पारिवारिक न्यायालय के परामर्श केंद्र में लंबित है। बीते एक साल से पत्नी मायके में रह रही थी। पारिवारिक कलह के चलते शाहरुख अवसाद में था और उसका इलाज भी चल रहा था।

बताया गया कि दो दिन पहले बेटे अजहान की तबीयत खराब होने पर गुल्फशां ने उसे फूलपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। इसकी जानकारी मिलने पर शाहरुख बुधवार को पत्नी को बच्चे के इलाज के लिए 18 हजार रुपये देकर आया था।

गुरुवार रात गुल्फशां ससुराल पहुंची थी। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई।

देर रात करीब ढाई बजे शाहरुख ने कमरे में रखी ग्राइंडर मशीन से खुद का गला रेत लिया। घटना की जानकारी होते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। इकलौते बेटे की मौत से पिता मोहम्मद हबीब, मां जहांआरा और पत्नी गुल्फशां का रो-रोकर बुरा हाल है।

फूलपुर थाना प्रभारी शेषनाथ पाल ने बताया कि मामले में अभी तक परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

नैनी में सुखमणि साहिब का पाठ आरंभ

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सिखों के पांचवे गुरु श्री अर्जुनदेव की शहादत को नमन करते हुए नैनी गुरुद्वारा संगत में सुखमणि साहिब का पाठ शुरू किया गया। इसका समापन 18 जून को शहादत दिवस के दिन होगा। सरदार पतविंदर सिंह ने बताया कि पंचम पातशाह को शांति का पुंज,शहीदों का सरताज कहा जाता है। गुरु जी द्वारा सुखमनी साहिब वाणी का उच्चारण किया गया जो कि गुरु जी की अमर वाणी है। सुखमनी पाठ करने से सभी सुखों की प्राप्ति होती है।

सीडीओ ने उद्यमियों की समस्याओं का शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारण करने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण कराया गया। राजकीय औद्योगिक आस्थान फूलपुर की भूमि के सम्बन्ध में उप जिलाधिकारी फूलपुर द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि उद्योग विभाग के प्रकरण का निस्तारण शीघ्र ही करा दिया जाएगा, जिसपर मुख्य विकास अधिकारी ने उप जिलाधिकारी फूलपुर को निर्देश दिये कि प्रकरण पर निर्णय लेते हुए शीघ्र ही उद्योग विभाग के पक्ष में कार्यवाही की जाय। पांच बिन्दुओं के प्रकरण पर अधिशासी अभियन्ता सिविल यूपीसीडा द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि कैफेटेरिया एवं कम्युनिटी हाल के कमरो में खिड़की एवं दरवाजे का कार्य कराया जा रहा है, सड़क पर पड़े विद्युत पोल के प्रकरण पर अधिशासी अभियन्ता विद्युत यूपीसीडा द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि मुख्य सड़क पर पडे. हुए पोल को शीघ्र हटा दिया

जाएगा, जिसपर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समिति को अवगत कराया गया है कि एम0डी0 यूपीसीडा से दूरभाष पर प्रकरण के सम्बन्ध में वार्ता हो गयी है जो शीघ्र ही निस्तारण करा दिया जाएगा। मिनी औद्योगिक आस्थान सोरांव मे 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति के सम्बन्ध में निर्देश दिये गये कि मुख्यालय को बजट आवंटन हेतु पुनः पत्र प्रेषित किया जाय एवं भूमि की पैमाइश हेतु उप जिलाधिकारी सोरांव को मेरे हस्ताक्षर से पत्र प्रेषित किया जाय। नैनी एयरोस्पेश लि0 के प्रकरण का निस्तारण हो जाने के फलस्वरूप प्रकरण को सहर्ष निक्षेपित करने की अनुमति प्रदान की गयी। श्री उमेश चन्द्र वर्मा, सहायक आयुक्त उद्योग द्वारा मुख्य विकास अधिकारी महोदया का बैठक में स्वागत करते हुए बैठक का संचालन किया गया, बैठक में उप जिलाधिकारी फूलपुर, उप जिलाधिकारी सोरांव एवं आर0एम0 यूपीसीडा, इत्यादि आनलाइन बैठक मे प्रतिभाग किया गया एवं औद्योगिक संगठन के पदाधिकारी विनय टण्डन, चैम्बर आफ कामर्स, डा0 जी0एस0 दरबारी, राजीव नैयर, श्रीमती आंवतिका टण्डन, नटवर लाल, मुरारी लाल अग्रवाल, संतोष त्रिपाठी, अनुराग मिश्रा उद्यमी, अजय सिंह गौड़ उद्यमी एवं अन्य विभागों के अधिकारी तथा उद्यमीगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

खादी की नई ऊर्जा नई चेतना

भारत की सभ्यता केवल महानगरों की चमक से नहीं,बल्कि गाँवों की मिट्टी की भीनी - भीनी सुगंध,कुटीर उद्योगों की आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा से निर्मित हुई है। यही कारण है कि जब भी हमारे समाने खादी का नाम आता है,तो केवल एक वस्त्र नहीं,बल्कि भारतीय स्वाभिमान,स्वदेशी चेतना और आत्मनिर्भरता का पूरा इतिहास आँखों के सामने जीवंत हो उठता है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने जिस खादी को स्वतंत्रता आंदोलन का आधार बनाया था,वही खादी आज विकसित भारत के आर्थिक अभियान की नई शक्ति बनती दिखाई दे रही है।हाल ही में जारी खादी ग्रामोद्योग आयोग(ङश्क्क) की वार्षिक रिपोर्ट केवल सरकारी आँकड़ों का दस्तावेज नहीं है,बल्कि यह उस बदलते ग्रामीण भारत की कहानी है,जहाँ गाँव अब केवल कृषि आधारित जीवन का प्रतीक नहीं,बल्कि उत्पादन,रोजगार और उद्यमिता के नए केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025-26 में खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री 1.87 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक स्तर को पार कर गई।यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एक दशक पहले तक खादी को सीमित बाजार और पारंपरिक उत्पादों तक सीमित समझा जाता था।आज वही खादी वैश्विक बाजार में इको फ्रेंडली, सस्टेनेबल और हैंडमेड इंडिया की पहचान बन रही है।

आप को स्पष्ट कर दे कि यह परिवर्तन अचानक नहीं आया। इसके पीछे वर्षों का सतत प्रयास, ग्रामीण कारीगरों की मेहनत, महिलाओं की भागीदारी और बदलती सरकारी नीतियों का समन्वय दिखाई देता है। वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल जैसे अभियानों ने खादी को नई ऊर्जा दी है।अब खादी केवल राजनीतिक प्रतीक या औपचारिक परिधान नहीं रही, बल्कि फैशन,लाइफस्टाइल और युवा पीढ़ी की पसंद का हिस्सा बनती जा रही है।आज दिल्ली, मुंबई,लखनऊ,अहमदाबाद और बेंगलुरु जैसे महानगरों के बड़े शोरूमों से लेकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक खादी उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। खादी के वस्त्रों के साथ-साथ शहद, अगरबत्ती,साबुन,हस्तशिल्प,हर्बल उत्पाद,जैविक सामग्री और ग्रामीण उद्योगों से जुड़े अनेक उत्पाद बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बहुआयामी विस्तार का संकेत है।खादी की सबसे बड़ी शक्ति उसका रोजगार मॉडल है। बड़े उद्योग जहां मशीन आधारित उत्पादन पर निर्भर होते हैं,वहीं खादी मानव श्रम और स्थानीय कौशल को केंद्र में रखती है। यही कारण है कि यह क्षेत्र करोड़ों लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध करा रहा है।विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी ने ग्रामीण समाज की आर्थिक संरचना को नई मजबूती दी है।गाँव की वह महिला, जो कभी केवल घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित मानी जाती थी,आज चरखे,सिलाई,खाद्य प्रसंस्करण, मधुमक्खी पालन,अगरबत्ती निर्माण और हस्तशिल्प के माध्यम से परिवार की आर्थिक शक्ति बन रही है।इससे केवल आय नहीं बढ़ रही, बल्कि सामाजिक सम्मान और आत्मविश्वास भी मजबूत हो रहा है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के माध्यम से हजारों नई इकाइयों की स्थापना ने ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित किया है। यह योजना केवल ऋण वितरण का माध्यम नहीं, बल्कि गाँवों में छोटे उद्योगों की नई संस्कृति विकसित करने का अभियान बनती जा रही है।आज अनेक युवा नौकरी खोजने के बजाय स्वयं उद्यमी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।खादी की बढ़ती सफलता भारत की सांस्कृतिक कूटनीति को भी नई पहचान दे रही है। विश्व के अनेक देशों में भारतीय हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रति आकर्षण बढ़ा है।खादी अब केवल कपड़ा नहीं,बल्कि भारतीय संस्कृति,प्रकृति प्रेम और सतत विकास का वैश्विक संदेश बन चुकी है।जिस समय पूरी दुनिया पर्यावरण संकट और मशीन आधारित अंधाधुंध उपभोग से जूझ रही है,उस समय खादी कम संसाधन, अधिक रोजगार और प्रकृति के संतुलन का भारतीय मॉडल प्रस्तुत करती है।

नक्सलवाद: बंदूक की विचारधारा का 25 मई 1967 से 2026 तक का सफर

शाश्वत तिवारी

25 मई 1967 ये वो तारीख हैं, जब पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के एक छोटे से गांव नक्सलबाड़ी में किसानों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प ने भारत के इतिहास में एक ऐसे आंदोलन को जन्म दिया, जिसने आने वाले दशकों में देश की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था, आदिवासी जीवन, विकास नीति और राजनीतिक विमर्श को गहराई से प्रभावित किया। इसी घटना के कारण इस आंदोलन का नाम पड़ा।

आज, जब नक्सलबाड़ी आंदोलन के प्रारंभ को लगभग छह दशक पूरे हो रहे हैं, तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम इस आंदोलन को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में न देखें, बल्कि इसके सामाजिक, आर्थिक, वैचारिक और राजनीतिक आयामों को भी समझें। नक्सलवाद केवल बंदूक उठाने की कहानी नहीं है; यह भारतीय लोकतंत्र के उन प्रश्नों की भी कहानी है, जिनका समाधान लंबे समय तक अधूरा रहा, भूमि सुधार, आदिवासी अधिकार, सामाजिक न्याय, प्रशासनिक उपेक्षा और विकास की असमानता। 1960 के दशक में पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि असमानता चरम पर थी। बड़े जमींदारों और महाजनों के पास विशाल भूमि थी, जबकि किसान और आदिवासी समुदाय भूमिहीनता, शोषण और गरीबी से जूझ रहे थे। वामपंथ के भीतर एक कट्टरपंथी धड़ा उभर रहा था। इन नेताओं का मानना था कि भारत में संसदीय लोकतंत्र नहीं, बल्कि सशस्त्र क्रांति ही सामाजिक परिवर्तन का मार्ग है। इसी विचारधारा के प्रमुख चेहरों में चारु मजूमदार, कानू सान्याल और जंगल संथाल शामिल थे।

25 मई 1967 को जब पुलिस किसानों को हटाने पहुंची, तब हिंसा भड़क गई और एक पुलिस अधिकारी सहित कई लोग मारे गए। यह घटना प्रतीक बन गई उस विचारधारा की।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, बढ़ती आशंकाएं

सनत जैन

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया हालिया फैसला चुनाव आयोग के अधिकारों की पुष्टि करता है। इसके साथ ही इस फैसले से कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अदालत ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को वैधानिक अधिकारों के दायरे में माना, परंतु सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं द्वारा उठाई गई उन आशंकाओं और दस्तावेजी आपत्तियों पर फैसला स्पष्ट नहीं है, जिनका सीधा संबंध करोड़ों मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा हुआ है। यही कारण है, यह विवाद समाप्त होने के बजाय और अधिक गहराने की आशंका पैदा होने लगी है। एसआईआर प्रक्रिया का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध और सही करना बताया गया था। लेकिन व्यवहार में अनेक ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें वैध दस्तावेज रखने वाले नागरिकों के नाम भी मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। बीएलओ रिटर्निंग अधिकारी के अधिकार भी चुनाव आयोग ने स्वयं इस्तेमाल करना शुरू कर दिए हैं। मतदाता शुद्धिकरण के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग के पोर्टल से बिना बीएलओ, बिना रिटर्निंग अधिकारी की जानकारी के बिना भौतिक सत्यापन के करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग कर दिए गए। जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में मौजूद थे। उनके माता-पिता के नाम भी 2003 की मतदाता सूची में थे। उन्हें भी विभिन्न तकनीकी कारणों के आधार पर सूची से बाहर कर दिया गया। इससे प्रश्न उठना स्वाभाविक है, वर्षों से मतदान कर रहे नागरिकों की

वैधता पर अचानक संदेह कर उनका नाम कैसे मतदाता सूची से हटाया जा सकता है। ऐसी स्थिति में जन्मस्थली नागरिकता और मतदाता सूची की स्थिरता और विश्वसनीयता का आधार क्या रहेगा? स्थिति की गंभीरता का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक लगभग 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की बात सामने आ रही है। अकेले पश्चिम बंगाल में लगभग एक करोड नाम मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं, जबकि करीब 28 लाख लोगों ने दस्तावेजों के साथ ट्रिब्यूनल में अपील कर रखी है। यह केवल चुनाव आयोग के अधिकारों से जुड़ा हुआ मामला नहीं है। एसआईआर की प्रक्रिया में जिन मतदाताओं के नाम काटे गए हैं उनके संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा हुआ मामला भी है। इतनी बड़ी संख्या मतदाता सूची से नाम काटना प्रशासनिक त्रुटि का संकेत नहीं है। बल्कि यह संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े नागरिकों के अधिकार का प्रश्न है। एसआईआर की प्रक्रिया में यदि करोड़ों लोगों के संवैधानिक अधिकार खत्म हो रहे हैं। इस बारे में भी सुप्रीम कोर्ट का निर्णय स्पष्ट नहीं है। विधि विशेषज्ञों का कहना है सुप्रीम कोर्ट के आदेश में यह स्पष्ट नहीं किया गया, जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनके अधिकारों की सुरक्षा किस प्रकार सुनिश्चित होगी। बिहार और पश्चिम बंगाल की राज्य सरकारों ने जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में नहीं है उन्हें अभी तक जो सरकारी सुविधा मिल रही थी, वह बंद करने का निर्णय लिया है। इसमें जो मुसलमान मतदाता थे, उन्हें बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान बताकर उनके लिए अलग से डिटेंशन सेंटर बनाकर रखने की बात की जा रही है। असम, पश्चिम बंगाल और बिहार की सरकार उन्हें अपना नागरिक मानने को तैयार नहीं है। इसको लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है जो धार्मिक धुव्रीकरण की ओर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। चुनाव आयोग को लेकर कई गंभीर किस्म के आरोप लगाए जा रहे हैं। चुनाव आयोग की नियुक्ति कानून की सुनवाई भी सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। एसआईआर के जो नियम ज्ञानेश कुमार के चुनाव आयोग ने तैयार किये, हर राज्य में अलग-अलग तरह के नियम बनाए गए। इसको लेकर यह विवाद सुप्रीम कोर्ट में गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कई महीने तक प्रक्रिया को लेकर सुनवाई की, लेकिन इस संबंध में कोई भी स्पष्टता वाला आदेश नहीं आया है।

यदि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटता है। उसके बाद उसे धार्मिक आधार पर संदेह की दृष्टि से भेदभाव किया जाता है, तो यह केवल चुनावी प्रक्रिया का विषय नहीं रह जाता। सामाजिक और संवैधानिक अधिकारों का प्रश्न बन जाता है। लोकतंत्र केवल मतदान कराने की व्यवस्था नहीं है। नागरिकों के संवैधानिक अधिकार और लोकतंत्र के विश्वास पर टिका है। जब करोड़ों लोगों को अपने जन्म और अस्तित्व तथा नागरिक अधिकारों के लिए दस्तावेजों के होते हुए भी प्रमाण देने पड़ें। तब स्वाभाविक रूप से नागरिकों में असुरक्षा और असंतोष बढ़ना तय है। यही कारण है कि विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों द्वारा आशंका व्यक्त की जा रही है। आने वाले समय में यह मुद्दा एक बड़े आंदोलन और राजनीतिक टकराव का कारण बन सकता है। कानून व्यवस्था पर भी इसका प्रभाव पड़ने की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। जिस तरह से देश में स्थितियां बदल रही हैं, ऐसे समय पर सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला दूरगामी परिणाम देने वाला बन गया है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला कानूनी दृष्टि से चुनाव आयोग की शक्तियों को मजबूत करता है। लोकतांत्रिक दृष्टि से इस फैसले में अनेक प्रश्न अनुत्तरित हैं। आवश्यकता इस बात की है, केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, न्यायपालिका मिलकर ऐसी पारदर्शी व्यवस्था विकसित करे, जिसमें किसी भी वैध नागरिक को तकनीकी कारणों से अपने मताधिकार और नागरिक अधिकारों से वंचित न होना पड़े। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता का विश्वास है, कानून का पालन तभी तक संभव है जब तक लोगों को उस पर विश्वास हो। उस विश्वास को बनाए रखने की विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की है। सभी संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज से जनता के बीच में यह विश्वास पैदा होता है। तभी नागरिक कानून और नियमों का पालन करते हैं। यदि विश्वास खत्म हो जाता है। जो स्थिति अभी बनी है उसमें एक भीड खड़ी होती है। जो स्वयं न्याय करने लगती है। तब नियम कानून और शासन व्यवस्था का कोई महत्व नहीं रह जाता है। भीड़ में असाधारण शक्ति होती है।

पर्यावरण चिंतन- बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

योगेश कुमार गोयल

– आग उगलता आसमान और हीट वेव की गिरफ्त में भारत

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से अर्बन हीट आइलैंड का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे अर्बन हीट आइलैंड का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते डिस्कंफर्ट इंडेक्स के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे हीट वेव कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है।

कहो तो कह दूं- काकरोचों ने सोचा भी नहीं होगा कि वे रातों रात इतने फेमस हो जायेंगे.....

चैतन्य भट्ट

कॉकरोच जनता पार्टी सीजेपी आजकल चर्चा में है। अमेरिका में बनी इस भारतीय पार्टी के रातों रात लगभग दो लाख फॉलोअर्स हो गये। नौबत यहां तक पहुंची कि सीजेपी के ट्विटर हैंडल पर बैन लगाना पड़ा। वास्तव में सीजेपी एक व्यंग्यात्मक आंदोलन है जिसे 16 मई 2026 को आम आदमी पार्टी के पूर्व कम्युनिकेशंस रणनीतिकार अभिजीत दीपके द्वारा सोशल मीडिया पर शुरू किया गया था। भारत में जन्मे और फिलहाल बोस्टन यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत दीपके को दाद देना पड़ेगी कि उन्होंने दुनिया के सबसे मजबूत कीड़े को एक राजनीतिक संकेत में बदल दिया। उन्होंने अमेरिका से इस अभियान की शुरूआत की जिसमें यूरोप के कुछ साथी भी जुड़ गये। दूर देशों की इस शुरूआत ने भारत के राजनीतिक खेमों में हलचल मचा दी। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक बुलबुला है जो जल्द ही फुस्स हो जायेगा लेकिन कुछ का विश्वास है कि सीजेपी अगले चुनावों में जनमानस पर असर डालने में कामयाब होगी। चूंकि भारत में बेरोजगारों की संख्या करोड़ों में है और यह वर्ग सक्रिय वोटर होने के साथ सोशल मीडिया से भी जुड़ा रहता है इसीलिये इसके चुनावी असर से इंकार नहीं किया जा सकता। सीजेपी की जादुई शोहरत का ये आलम है कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी इसी तर्ज पर कॉकरोच अवामी लीग सीएएल बना ली गई है जिसके हजारों फॉलोअर्स भी बन गये हैं। एक तरफ अभिजीत दीपके को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं दूसरी तरफ उनके फॉलोअर्स बढ़ते ही जा रहे हैं। मालूम हो कि कॉकरोच की महिमा केवल महिलाओं को डराने और रसोईघर में धमा चौकड़ी करने तक सीमित नहीं। वैज्ञानिकों का कहना है कि कॉकरोच दरअसल दुनिया के सबसे ताकतवर प्राणियों में से एक है और परमाणु युद्ध होने के बाद भी पृथ्वी पर सिर्फ इसी का बच पाना सम्भव है। छोटे अंधेरे कोनों और दरारों में छिपे रहने से इस पर विस्फोट का असर होना असंभव है। साथ ही परमाणु युद्ध से होने वाले रेडिएशन का इस पर कोई असर नहीं होगा क्योंकि इसकी रेडिएशन सहने की क्षमता इन्सान से लगभग 15 गुना ज्यादा है। इसके अलावा कॉकरोच की जीवित रहने की क्षमता भी अद्वितीय है क्योंकि यह खीरा यानी ककड़ी के अलावा दुनिया का कोई भी पदार्थ खा कर मजे से जिन्दा रह सकता है।

ओजोन लेयर और भगवान राम के बीच का कनेक्शन

संजय गोस्वामी

भूमि-स्तर (ग्राउंड-लेवल) ओजोन एक बहुआयामी रासायनिक यौगिक है जिसमें सकारात्मक और नकारात्मक विशेषताओं की एक पहेली है। ऊपरी वायुमंडल में, यह हानिकारक पराबैंगनी किरणों से सुरक्षा कवच के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके विपरीत, भूमि-स्तर पर, यह गंभीर पर्यावरणीय और स्वास्थ्य जोखिमों के साथ एक विषैले प्रदूषक के रूप में प्रकट होता है। भूमि-स्तर ओजोन को समझने के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। यह मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों पर कई प्रभावों से जुड़ा है। फोरूजानफर और जीबीडी रिस्क फैक्टर कोलैबोरेटर्स (2016) द्वारा 2016 में प्रकाशित जीबीडी की एक रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि 2015 में लगभग 4.1 मिलियन विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष (डीएएलवाई) ड3 के संपर्क के कारण थे। इन दूरगामी प्रभावों में कृषि उपज में कमी से लेकर जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देने तक सब कुछ शामिल है।भूमि-स्तर ओजोन और ऊपरी वायुमंडल ओजोन के बीच का अंतर यह समझने के लिए महत्वपूर्ण है कि एक ही अणु लाभकारी और हानिकारक दोनों क्यों हो सकता है। पृथ्वी की सतह से 10 से 30 किलोमीटर ऊपर स्थित स्ट्रेटोस्फेरिक ओजोन हानिकारक यूवी किरणों के खिलाफ ढाल के रूप में कार्य करता है। इसके विपरीत, जमीनी स्तर पर ओजोन, जो धुंध का एक प्रमुख घटक है, मानव स्वास्थ्य, पारिस्थितिकी तंत्र और जलवायु को नुकसान पहुंचाता है।भूमि-स्तर ओजोन वायुमंडल में टेलपाइप, स्मोकस्टैक, कारखानों और कई अन्य प्रदूषण स्त्रोतों से निकलने वाली गैसों से विकसित होता है। जब ये गैसें सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आती हैं, तो वे प्रतिक्रिया करती हैं और ओजोन स्मॉग बनाती हैं। ओजोन बनाने के लिए आवश्यक कच्चे तत्व नाइट्रोजन ऑक्साइड (ठड७), वाष्पशील कार्बनिक यौगिक (श्डउ२) और सूर्य का प्रकाश हैं। ठड७ और श्डउ२ पूर्ववर्ती गैसें हैं जो सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में हवा में प्रतिक्रिया करके ओजोन का उत्पादन करती हैं। ठड७ मुख्य रूप से तब उत्पन्न होता है जब गैसोलीन, तेल या कोयले जैसे जीवाश्म ईंधन को जलाया जाता है जैसे कि बिजली संयंत्रों, मोटर वाहनों, भट्टियों और उच्च ताप दहन के अन्य स्त्रोतों में। श्डउ२ पेंट जैसे कुछ सामान्य उपभोक्ता उत्पादों से हवा में छोड़े जाते हैं और जब पेंट थिनर और सॉल्वैंट्स जैसे घरेलू रसायन वाष्पित होते हैं। श्डउ२ मोटर वाहनों, रासायनिक संयंत्रों, रिफाइनरियों, कारखानों और गैस स्टेशनों से भी उत्सर्जित होते हैं। यदि ये पूर्ववर्ती गैसें सही परिस्थितियों में मौजूद हैं, तो वे ओजोन बनाने के लिए प्रतिक्रिया करती हैं। क्योंकि यह प्रतिक्रिया वायुमंडल में होती है, ओजोन का परिवहन हवा द्वारा होता है और यह अक्सर हवा के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं और महासागरों के पार भी दिखाई देती है, जो इन गैसों के स्त्रोतों से बहुत दूर होते हैं।ओजोन लेयर और भगवान राम के बीच का कनेक्शन मुख्य रूप से आध्यात्मिक और सिंबॉलिक मतलबों के जरिए दिखाया गया है, जो रामायण की कहानी और भगवान राम से जुड़ी शिक्षाओं को पर्यावरण बचाने और धरती के एटमॉस्फियर की सुरक्षा से जोड़ते हैं। सिंबॉलिक सुरक्षाः ओजोन लेयर, जो धरती को नुकसानदायक अल्ट्रावाएलेट(यू वी)रेडिएशन से बचाती है, उसे अक्सर एक छाते या सुरक्षा कवच जैसा माना जाता है, ठीक वैसे ही जैसे भगवान राम ने धर्म और जीवों के रक्षक के तौर पर भूमिका निभाई थी। रामायण में पर्यावरण के बारे में जागरूकताः रामायण को पर्यावरण बचाने के एक महाकाव्य के तौर पर देखा जाता है। यह कहानी सभी जीवों–जिसमें वानर सेना (बंदर), भालू और पक्षी भी शामिल हैं–की प्रकृति के साथ एक-दूसरे पर निर्भरता पर जोर देती है, जो इकोलॉजिकल बैलेंस का संदेश देती है, जिसे तोड़ने पर ओजोन लेयर के खत्म होने जैसी आपदाएँ आती हैं। ओजोन लेयर की स्पिरिचुअल हीलिंगः एक खास, बहुत ज्यादा फैला हुआ दावा बताता है कि श्री गणपति सच्चिदानंद स्वामीजी के फॉलोअर्स द्वारा शांति बढ़ाने के लिए किए गए शतश्लोकी रामायण (रामायण के 100 श्लोक) के जाप से ओजोन लेयर को हील करने में मदद मिली, जिससे स्पिरिचुअल वाइब्रेशन एनवायरनमेंटल रिकवरी से जुड़ गए।

भाजपा का अश्वमेध यज्ञ !अगला लक्ष्य ! दक्षिण?

राजीव खंडेलवाल

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में यदि किसी एक दल की रणनीतिक निरंतरता, संगठनात्मक अनुशासन और विस्तारवादी राजनीतिक भूख सबसे स्पष्ट दिखाई देती है, तो वह भारतीय जनता पार्टी है। भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि पश्चिम बंगाल में भाजपा की उल्लेखनीय सफलता को एक प्रकार की वैचारिक घर-वापसी भी कहा जा रहा है। हालांकि यह प्रश्न अभी भी राजनीतिक गलियारों में चाय की प्याली में तूफान बना हुआ है कि बंगाल में आया परिवर्तन वास्तव में बदला नहीं बदलाव था, या बदले की भावना से उपजा बदलाव? राजनीति में अक्सर दूध का जला छाछ भी फूँक-फूँक कर पीता है, इसलिए विपक्ष इस परिणाम को सहजता से स्वीकार करने की स्थिति में नहीं दिखता।

प्रधानमंत्री मोदी का बढ़ता आत्मविश्वास।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चुनावी आत्मविश्वास बैरकपुर की अंतिम चुनावी सभा में स्पष्ट रूप से व्यक्ति उनके इस कथन के साथ हुआ– 4 मई के बाद बंगाल में भाजपा के शपथ ग्रहण समारोह में आना ही है। यद्यपि कांग्रेस-विहीन भारत का लक्ष्य अभी पूर्णतः साकार नहीं हुआ, किंतु भाजपा का वन नेशन, वन पार्टी की दिशा में बढ़ना अब केवल विपक्ष का आरोप नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का विषय बन चुका है। ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा ने लोहे को गर्म देखकर चोट करना सीख लिया है।

लोकसभा चुनाव परिणाम से मिला सबक।

2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए के सत्ता में आने के बावजूद भाजपा को अपेक्षित बहुमत न मिलना पार्टी के लिए आसमान से गिरकर खजूर में अटकने जैसा क्षण अवश्य था, किंतु यही झटका भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए आत्ममंथन का अवसर बन गया। गृह मंत्री अमित शाह की माइक्रो मैनेजमेंट शैली, बूथ स्तर तक की रणनीति और संघ परिवार के जमीनी नेटवर्क ने भाजपा को पुनः राजनीतिक पटरी पर लौटा दिया। भाजपा ने सिद्ध किया कि वह हार को ठोकर नहीं, बल्कि सीढ़ी बनाना जानती है।

विधानसभा चुनावों में अप्रत्याशित सफलता।

लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने जिस प्रकार बाउंस बैक किया, उसने राजनीतिक विश्लेषकों को भी चौंका दिया।

चार राज्यों के आसीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नवीन पटनायक एमके स्टालिन और ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ में हार का सामना करना पड़ा।

बीएचयू विश्वनाथ मंदिर परिसर में "युवा धर्म संसद-2026" के पोस्टर का अनावरण

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर के विश्वनाथ मंदिर के बाहर गुरूवार को युवा धर्म संसद-2026 के पोस्टर का अनावरण उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के सदस्य डॉ. हरेंद्र राय की मौजूदगी में हुआ।
अनावरण के दौरान सेवाज्ञ संस्थानम् के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की विशेष सहभागिता रही।
संस्थानम् के संरक्षक अयोध्या के संत आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण महाराज द्वारा आगामी युवा धर्म संसद-2026 के लिए पंजीकरण लिंक एवं क्यूआर कोड औपचारिक रूप से जारी किया गया। उन्होंने युवाओं का आान करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और राष्ट्रचेतना के संवाहक के रूप में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा युवा धर्म संसद इसी उद्देश्य को लेकर देशभर के युवाओं को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रही है।

आयोजक संस्था के अनुसार, युवा धर्म संसद-2026 का आयोजन इस वर्ष मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन (अवंतिका) में 17 से 19 सितम्बर 2026 के बीच होगा। यह आयोजन स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक शिकागो उद्बोधन की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय विचारों के प्रति युवाओं को जागरूक करना है। तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय आयोजन में देशभर से विद्वान, शिक्षाविद, संत-महात्मा एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजन अपने विचार रखेंगे तथा लगभग 2000 से अधिक युवाओं के साथ संवाद स्थापित करेंगे।
कार्यक्रम में राष्ट्र, संस्कृति, शिक्षा, अध्यात्म, युवा नेतृत्व एवं सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की उपस्थिति प्रस्तावित है। साथ ही मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी भाग ले सकते हैं।
पोस्टर अनावरण कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि युवा धर्म संसद केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण के लिए प्रेरित करने वाला वैचारिक अभियान है।
सेवाज्ञ संस्थानम् द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं में सांस्कृतिक गौरव, आध्यात्मिक दृष्टि और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वैश्विक शिक्षा और भारत-रूस शैक्षणिक सहयोग का मजबूत मंच बना आईआरईएस-2026 : कुलपति

कानपुर।
भारत और रूस के बीच शैक्षणिक साझेदारी, शोध सहयोग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षा मॉडल युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्वविद्यालयों को समय के अनुरूप नवाचार आधारित शिक्षा और तकनीकी शोध को बढ़ावा देना होगा। यह बातें गुरुवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहीं।
नई दिल्ली में आज इंडो-रशियन एजुकेशन समिट 2026 का शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत और रूस के शिक्षा, चिकित्सा एवं अनुसंधान क्षेत्र से जुड़े प्रतिष्ठित शिक्षाविद, नीति-निमार्ता और विशेषज्ञ शामिल हुए।

उद्घाटन एवं स्वागत सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालयों को वैश्विक मानकों के अनुरूप शिक्षा, शोध और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना होगा।
उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधुनिक चिकित्सा शोध और डिजिटल शिक्षण उपकरण शिक्षा जगत को तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में विश्वविद्यालयों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण व्यवस्था और शोध केंद्रित शिक्षा को अपनाना होगा।
उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच शैक्षणिक साझेदारी, छात्र विनिमय कार्यक्रम और संयुक्त शोध पहल युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करेंगे। सम्मेलन में उच्च शिक्षा, चिकित्सा विज्ञान, शोध सहयोग और वैश्विक शैक्षणिक साझेदारी जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

वाराणसी में पुलिस उपनिरीक्षकों की होगी मार्किंग प्रणाली से समीक्षा, उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिलेगा चौकी का चार्ज

वाराणसी।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अब पुलिस उपनिरीक्षकों (एसआई) के कार्यों का मूल्यांकन मार्किंग प्रणाली के आधार पर किया जाएगा। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने गुरुवार को यह निर्देश जारी करते हुए पुलिसिंग व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रतिस्पर्धात्मक कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर दिया।
पुलिस आयुक्त ने रोहनिया थाना, लोहता थाना तथा मंडुवाडीह के अर्दली रूम का निरीक्षण करने के बाद कानून-व्यवस्था, अभिलेखों और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उन्होंने बताया कि जिले के सभी थानों में तैनात

उपनिरीक्षकों के कार्यों का मूल्यांकन 100 अंकों की मार्किंग प्रणाली के तहत किया जाएगा। निर्धारित व्यवस्था के अनुसार 60 दिनों के भीतर विवेचनाओं के निस्तारण पर 25 अंक, प्रार्थना पत्रों के समयबद्ध एवं संतोषजनक निस्तारण पर 25 अंक दिए जाएंगे। इसके अलावा एनबीडब्ल्यू के तहत गिरफ्तारी पर 10 अंक, बिना नम्बर प्लेट वाले वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई पर 10 अंक तथा गलत दिशा में वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई के लिए 10 अंक निर्धारित किए गए हैं। वहीं जुआ, सट्टा, वेश्यावृत्ति, अवैध खनन, मादक पदार्थों के निर्माण एवं बिक्री जैसे अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई तथा अन्य सराहनीय कार्यों के लिए 20 अंक प्रदान किए जाएंगे। प्राप्त अंकों के आधार पर उपनिरीक्षकों की रैंकिंग तैयार होगी और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को चौकी प्रभारी बनाए जाने में प्राथमिकता दी जाएगी।

वाराणसी : लहुराबीर में बन रहे कॉमर्शियल मार्केट कॉम्प्लेक्स का नगर आयुक्त ने लिया जायजा

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में नगर निगम की महत्वपूर्ण 'बांड परियोजना' के तहत लहुराबीर में बन रहे बहुप्रतीक्षित वाणिज्यिक मार्केट कॉम्प्लेक्स के निर्माण कार्य पर नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल की नजर है। गुरुवार को निर्माण स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर नगर आयुक्त ने इसमें तेजी लाने के लिए निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा (डेडलाइन) की समीक्षा की।

उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य को मानक के अनुरूप और गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय रहते पूरा किया जाए। इस कॉम्प्लेक्स के निर्माण से क्षेत्र में व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। नगर आयुक्त ने निर्माण कार्य में आ रही किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधाओं को तत्काल दूर करने के भी निर्देश दिए, ताकि परियोजना का लाभ जल्द से जल्द आमजन को मिल सके।

बकरीद पर नगर आयुक्त ने परखी सफाई व्यवस्था
बकरीद पर्व पर गुरूवार शाम नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने शहर के विभिन्न संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों का औचक निरीक्षण किया।
उन्होंने साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और जल निकासी की स्थिति को परखा। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कमलगढ़हा, आरिफ मस्जिद, जैतपुरा, राजापुरा रोड, कच्ची बाग और बजरडीहा समेत अन्य क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने क्षेत्रीय सफाई निरीक्षकों को निर्देश दिए कि त्योहार से पहले सभी गलियों और मुख्य मार्गों की सघन सफाई अभियान चलाए।
कुबार्नी वाले स्थानों पर चूने का छिड़काव और एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव तत्काल प्रभाव से करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पर्व पर सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उप्र में नौ पीसीएस अफसरों का तबादला, प्रतीक्षारत दो अधिकरियों को तैनाती मिली

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश में एक बार फिर प्रशासनिक अफसरों के तबादले हुए हैं। शासन ने गुरुवार की रात को नौ पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। इनमें प्रतीक्षारत दो अधिकरियों को भी तैनाती मिली है।
तबादले के क्रम में प्रयागराज के नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह को अपर जिलाधिकारी मीरजापुर बनाया है। उपजिलाधिकारी विनय कुमार सिंह को नगर मजिस्ट्रेट, उप्र सहाकारी चीनी मिल संघ के प्रधान प्रबंधक गुलशन को मुख्य राजस्व अधिकारी बलिया, सुरेश कुमार पाल मुख्य राजस्व अधिकारी बलिया को उप निदेशक, बाल विकास एवं पुष्टाहार निदेशालय लखनऊ बनाया है।
इसी तरह भदोही की उपजिलाधिकारी बरखा सिंह को उप्र सहाकारी चीनी मिल संघ के प्रधान प्रबंधक नियुक्त किया है। प्रतीक्षारत अविनाश गौतम को उपजिलाधिकारी आजमगढ़, अभिषेक भारती को उपजिलाधिकारी फरूर्खाबाद, अपर नगर आयुक्त अमृता सिंह को अपर जिलाधिकारी अमेठी और वाराणसी के अपर नगर आयुक्त अनूप कुमार को अपर नगर आयुक्त कानपुर का प्रभार सौंपा गया है।

पत्नी की हत्या में फरार आरोपित पति गिरफ्तार

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बाजारखाला थाना क्षेत्र में बुधवार को पत्नी की गला रेतकर हत्या के मामले में फरार आरोपित को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है।
पुलिस उपायुक्त पश्चिमी कमलेश दीक्षित ने बताया कि खलरवा लेन ऐशबाग निवासी चांदनी (26) बुधवार को ईदगाह के गेट नंबर 12 के सामने घायलवस्था में केजीएमयू ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी खंगाले गये तो पता चला कि मोहम्मद शाहिद ने अपनी पत्नी चांदनी की हत्या की है। सात साल पहले दोनों की शादी हुई थी और आए दिन घर की कलह से दोनों के बीच झगड़ा चल रहा था। चांदनी मायके में थी। बुधवार को मोहम्मद शाहिद ने मिलने के लिए चांदनी को फोन करके बुलाया था। दोपहर में वह उससे मिलने पहुंची, जहां शाहिद ने चाकू से गला रेतकर चांदनी की हत्या कर फरार हो गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आज आरोपित शाहिद को धर दबोचा। उसके खिलाफ अग्रिम कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है।

मुरादाबाद में तेज आंधी के बाद मूसलाधार बारिश शुरू

मुरादाबाद।
मुरादाबाद जनपद में गुरुवार रात्रि तेज आंधी के बाद मूसलाधार बारिश शुरू हो गई, जिससे एक पखवाड़े से भीषण गर्मी झेल रहे लोगों को राहत मिली। गुरुवार दोपहर जिले का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।
मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आज रात्रि में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी और सुबह तक बारिश लगातार पड़ेगी।
बीते 15 दिन से जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। गुरुवार को सुबह तडके से हवा चलने से लग रहा था कि आज मौसम में कुछ परिवर्तन होगा लेकिन दिनभर तेज धूप से गर्मी का पारा और चढ़ गया था।

नदी में डूबने से लापता तीन युवकों के शव बरामद

बहराइच।
उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के हरदी थाना क्षेत्र अन्तर्गत महसी के ग्राम पंचायत कोड़वा मुंसारी की घाघरा नदी में नहाने के दौरान डूबे तीन युवकों के शव बरामद हो गए हैं। बुधवार को पांच दोस्त नदी में नहाने गए थे,जिनमें से तीन युवक गहरे पानी में उतरे और लापता हो गए थे। गुरुवार को पुलिस ने एनडीआरएफ और गोताखोरों की सहायता से लापता तीन युवकों के शव को बरामद कर लिया है। हालांकि बुधवार की देर शाम एक युवक गोलू जायसवाल का शव पुलिस ने बरामद कर लिया था अन्य दो की तलाश जारी थी, जिनका शव गुरुवार की शाम को बरामद हो गया है।

बी.एड. प्रवेश परीक्षा : सुचिता पूर्ण सम्पन्न कराने को 167 सदस्य रवाना

झांसी।
उत्तर प्रदेश शासन के आदेशानुसार बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी को राज्य स्तरीय संयुक्त बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2026 आयोजित कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने गुरुवार को 167 लोगों को रवाना कर दिया। उनकी मङ्गलमय यात्रा के लिए कुलपति ने पुष्प वर्षा कर उन्हें विदा किया।
यह परीक्षा आगामी 31 मई 2026 को प्रदेशभर में दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली अपराह्न 2 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगी।

संयुक्त बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2026 में प्रदेश के 72 जनपदों में स्थापित 1011 परीक्षा केन्द्रों पर कुल 4 लाख 44 हजार 958 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियाँ की गई हैं।
परीक्षा की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए आज प्रातः 5 बजे से विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों की 167 सदस्यीय टीम विभिन्न जनपदों के लिए रवाना की गई। सबसे पहले देवरिया, बलिया, महाराजगंज, गोरखपुर एवं वाराणसी के लिए वाहनों को रवाना किया गया।
इस दौरान कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय ने वाहनों का पूजन कर विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों एवं वाहन चालकों को तिलक लगाकर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया।
विश्वविद्यालय परिसर में इस वर्ष अत्याधुनिक हाईटेक कमाण्ड कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इस कंट्रोल रूम के माध्यम से प्रदेश के सभी परीक्षा केन्द्रों की लाइव मॉनीटरिंग की जाएगी। परीक्षा केन्द्रों पर एआई इनेबल्ड सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनके जरिए स्ट्रांग रूम, परीक्षा कक्षों तथा प्रवेश एवं निकास द्वारों की लगातार निगरानी रखी जाएगी।
विशेष बात यह है कि इस वर्ष पहली बार विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों को बॉडी वॉर्न कैमरे भी उपलब्ध कराए गए हैं। इन कैमरों के माध्यम से परीक्षा केन्द्रों के भौतिक सत्यापन से लेकर गोपनीय सामग्री की सुरक्षा और परीक्षा से जुड़ी गतिविधियों पर कंट्रोल रूम से सीधी निगरानी की जा सकेगी।

भाजपा जिला कार्यशाला में गूंजा 'विकसित भारत' का संकल्प

गोरखपुर।
भारतीय जनता पार्टी गोरखपुर जिला इकाई द्वारा बृहस्पतिवार को रानीडीहा स्थित जिला कार्यालय पर आयोजित जिला कार्यशाला में संगठनात्मक मजबूती, जनसंपर्क अभियान और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर व्यापक मंथन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेन्द्र सिंह उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी ने की।
कार्यक्रम का शुभारम्भ भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा वंदे मातरम् गीत के साथ किया गया। कार्यशाला

में जिले के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकताओं की बड़ी उपस्थिति देखने को मिली।
कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी एक नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि यह कालखंड केवल विकास का नहीं बल्कि जनविश्वास, सुशासन और राष्ट्र गौरव का काल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का मस्तक विश्व मंच पर ऊँचा करने का कार्य किया है।
उन्होंने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार ने गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं।
आज भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है और उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं का दायित्व है कि सरकार की उपलब्धियों और जनहितकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए।
डॉ. धर्मेन्द्र सिंह ने आगामी 5 जून से 21 जून तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी देते हुए सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से उन्हें पूरी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।

झांसी : झमाझम बारिश से गर्मी में मिली राहत, कई क्षेत्रों में ओलावृष्टि

झांसी।
उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में भीषण गर्मी और तेज तपिश से जूझ रहे लोगों को गुरुवार शाम अचानक बदले मौसम ने बड़ी राहत दी। दिनभर चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के बाद देर शाम मौसम ने करवट ली और महानगर सहित जिले के कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं से तापमान में गिरावट दर्ज की गई।
गुरुवार को दिन में झांसी का अधिकतम तापमान लगभग 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह से ही तेज धूप और उमस भरी गर्मी के कारण लोग बेहाल रहे। मौसम विभाग की ओर से पहले ही गर्मी और मौसम परिवर्तन को लेकर अलर्ट जारी किया गया था। शाम होते-होते आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई।
महानगर में जहां अच्छी बारिश हुई, वहीं जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों में ओलावृष्टि की भी खबरें सामने आईं।
अचानक हुई बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि गर्मी से परेशान लोगों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई। बच्चे और युवा बारिश का आनंद लेते नजर आए।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत, परिजनों ने लगाया जाम

मीरजापुर।
चुनार थाना क्षेत्र के कठेरवा गांव मोड़ के पास राजमार्ग-74 पर गुरुवार रात करीब आठ बजे तेज रफ्तार कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई।
हादसे के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने कठेरवा-सीखड़ मार्ग पर शव रखकर जाम लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया।
कठेरवा गांव निवासी रानी देवी (42) पत्नी ज्योति सिंह मगरहा स्थित अपने क्लिनिक से स्कूटी

से घर लौट रही थीं। जैसे ही वह कठेरवा मोड़ से कुछ दूर आगे बढ़ीं, तभी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला करीब 15 फीट ऊपर उछलकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरीं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे में स्कूटी और कार के परखच्चे उड़ गए।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार सवार लोग कछवा थाना क्षेत्र के तुलापुर गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और आक्रोशित परिजनों ने शव सड़क पर रखकर जाम लगाया। मृतका के परिवार में एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं। रानी देवी ही परिवार की मुख्य सहारा थीं। उनकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। मौके पर क्षेत्राधिकारी मंजरी राव, चुनार कोतवाल विजय शंकर सिंह, कछवां थाना प्रभारी समेत भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस परिजन से वार्ता कर मामले को शांत कराने में जुटी रही।

गोयल ने कनाडा को दिया दोहरी-डिग्री का प्रस्ताव, संबंधों में 'पुनर्संतुलन' पर जोर

टोरंटो में केंद्रीय मंत्री ने कहा, छात्रों के लिए दोहरी-डिग्री व्यवस्था हो

टोरंटो ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी कनाडा यात्रा के दौरान शैक्षिक सहयोग बढ़ाने पर जोर देते हुए कनाडा को दोहरी-डिग्री व्यवस्था शुरू करने का सुझाव दिया है। टोरंटो विश्वविद्यालय में अपने संबोधन में गोयल ने मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए भारत-कनाडा संबंधों में राजनीतिक पुनर्संतुलन के उपयुक्त समय का भी जिक्र किया। गोयल ने ऐसे कार्यक्रमों पर तेजी से काम करने का सुझाव दिया, जिनमें छात्र एक साल कनाडा में पढ़ाई कर सकें और फिर भारत लौटकर देश के विकास में योगदान दें। उन्होंने कनाडा के युवाओं को भारत आकर यहां हो रहे विकास कार्यों को करीब से देखने का भी आमंत्रण दिया। दोहरी-डिग्री व्यवस्था के तहत छात्र आंशिक पढ़ाई भारत और आंशिक कनाडा में करके दोनों संस्थानों से मान्यता प्राप्त डिग्री पा सकते हैं। इस अवसर पर गोयल ने निवेश आकर्षित करने की अपील करते हुए कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने 2047 तक प्रति व्यक्ति आय को 20,000 डॉलर तक पहुंचाने और विनिर्माण-बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश का लक्ष्य बताया। गोयल ने गणितीय गणना के आधार पर अनुमान जताया कि 7 फीसदी की वृद्धि दर बनाए रखने पर भारत की अर्थव्यवस्था अगले 25 वर्षों में लगभग आठ गुना बढ़कर 30 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है।

ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी और राज्यों के प्रतिबंध का अधिकार वैध- एससी

कंपनियों पर पिछली तारीख से भारी-भरकम कर का बोझ

नई दिल्ली।

सर्वोच्च न्यायालय ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को एक बड़ा झटका दिया है। न्यायालय ने गेमिंग प्लेटफॉर्म पर लगाए जाने वाले दांव के समूचे अंकित मूल्य पर पिछली तारीख से 28 फीसदी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखा। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने राज्यों को पैसों वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने का कानून बनाने के अधिकार को भी वैध ठहराया है। इन फैसलों से भारत में बची हुई गेमिंग कंपनियों के संचालन पर गंभीर संकट गहरा गया है। न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि यह कर संवैधानिक रूप से वैध है और जीएसटी ढांचे का उल्लंघन नहीं करता। पीठ ने स्पष्ट किया कि फैंटेसी स्पोर्ट्स सहित ऑनलाइन गेमिंग गतिविधियां, जिनमें अनिश्चित परिणामों पर दांव लगाया जाता है, जीएसटी ढांचे के तहत सट्टेबाजी और जुए की श्रेणी में आती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर करीब 91,684 करोड़ रुपये का कर बकाया है, जो ब्याज और जुर्माने सहित संभावित रूप से दोगुना हो सकता है। अदालत ने यह भी कहा कि ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म को महज मध्यस्थ नहीं माना जा सकता और उनकी गतिविधियां जीएसटी व्यवस्था के दायरे में आती हैं। अदालत ने पिछली तारीख से लागू होने वाले कर संशोधनों को भी वैध ठहराया। गेमिंग कंपनियों ने 28 फीसदी जीएसटी को पिछली तारीख से लागू करने को चुनौती दी थी। इन निर्णयों से उन गेमिंग कंपनियों पर दबाव और बढ़ गया है जो पहले ही अपना कारोबार समेट चुकी हैं या कम कर चुकी हैं।

ईंधन सब्सिडी दुरुपयोग पर सरकार का शिकंजा

औद्योगिक उपभोक्ता खुदरा ईंधन खरीद रहे, डीलर भी कर रहे कालाबाजारी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में पश्चिम एशिया संकट पर हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में खुदरा ईंधन के दुरुपयोग और कालाबाजारी के गंभीर मामले सामने आए हैं। इसमें पाया गया कि औद्योगिक उपभोक्ता सब्सिडी वाले खुदरा ईंधन का लाभ उठा रहे हैं, जिससे तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को भारी दैनिक नुकसान हो रहा है। मंत्रियों के अनौपचारिक समूह (आईजीओएम) की बैठक की कार्यवाही पर जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह खुलासा हुआ कि औद्योगिक उपभोक्ता सब्सिडी वाली कीमत का फायदा उठाने के लिए औद्योगिक ईंधन की बजाय खुदरा ईंधन खरीद रहे हैं। इसके साथ ही कुछ डीलरों द्वारा कालाबाजारी के भी मामले सामने आए हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, तेल विपणन कंपनियों और राज्य सरकारों ने जमीनी स्तर पर निगरानी तेज कर दी है और उद्योग संगठनों को भी इस काम से जोड़ा जा रहा है।

एचडीएफसी बैंक के शेयर लुढ़के, सरकारी एजेंसी को अनुचित भुगतान का आरोप

बैंक ने आरोपों का खंडन किया, आंतरिक नियंत्रण मजबूत होने का दावा

नई दिल्ली ।

एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2.6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जब मीडिया रिपोर्टों में महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) नामक एक सरकारी एजेंसी को कथित रूप से अनुचित भुगतान का दावा किया गया। हालांकि, बैंक ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि सभी लेनदेन स्थापित मानदंडों के अनुसार हुए हैं।

दिन के अंत में बैंक का शेयर 758.50 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद से 2.63 फीसदी नीचे था। एक रिपोर्ट के अनुसार बैंक द्वारा की गई एक आंतरिक जांच में पाया गया कि वित्त वर्ष 2024 और 2025 में एमएसआरडीसी को डिफरेंशियल इंटरेस्ट'के रूप में वर्गीकृत विपणन व्यय के माध्यम से लगभग 45 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। किसी भी गलत काम से इनकार करते हुए, एचडीएफसी बैंक ने कहा कि उसके पास मजबूत आंतरिक निरीक्षण, लेखा परीक्षा और नियंत्रण प्रक्रियाएं और प्रणालियां हैं। बैंक ने एक बयान में कहा कि बैंक के स्थापित मानदंडों के अनुसार सभी मुद्दों को निपटाया जाता है। हम चुनिंदा सामग्री के आधार पर कदाचार या जवाबदेही की किसी भी धारणा को दृढ़ता से अस्वीकार करते हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब बैंक में प्रशासन संबंधी सवाल उठे हैं, और पूर्व अंशकालिक अध्यक्ष अतनु चक्रवर्ती ने मार्च में इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद केकी मिस्त्री को तीन महीने के लिए अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

जेब से स्वास्थ्य खर्च में बढ़ोतरी, सरकार का अंशदान घटा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा 2022-23- लोगों की जेब से खर्च बढ़कर 43.4 फीसद हुआ

नई दिल्ली ।

देश में स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाले कुल व्यय में लगातार वृद्धि हो रही है, लेकिन इसमें लोगों द्वारा सीधे अपनी जेब से किया जाने वाला खर्च (आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर- ओओपीई) भी बढ़ा है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमान 2022-23 के अनुसार, कुल स्वास्थ्य व्यय में ओओपीई एक साल में 39.4 फीसदी (2021-22) से बढ़कर 43.4 फीसदी हो गया है। इसी अवधि में, स्वास्थ्य पर सरकार का अंश 48 फीसदी से घटकर 43.7 फीसदी रह गया है। यह पहली बार है जब राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुमानों में ओओपीई में वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है, जो बढ़ती लागतों की ओर इशारा करता है। रिपोर्ट बताती है कि कोविड-19 महामारी के बाद पूर्ण रूप से खुलने के पहले साल (2022-23) में स्वास्थ्य, निदान और फार्मास्यूटिकल्स की उच्च लागत और मांग के कारण ओओपीई में यह वृद्धि हुई है।

बीमा क्लेम अब तेज और पारदर्शी, अधिकारियों की सीधी जवाबदेही

आईआरडीएआई सख्त, कंपनियों को 15, 30 और 60 दिन में देना होगा क्लेम अपडेट

मुंबई ।

बीमा नियामक भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने ग्राहकों की बीमा क्लेम संबंधी परेशानियों को कम करने के लिए कड़े नए नियम लागू किए हैं। अब बीमा कंपनियों को तय समय सीमा में क्लेम निपटाने होंगे और देरी होने पर वरिष्ठ अधिकारियों की सीधी जवाबदेही तय की जाएगी। इससे करोड़ों पॉलिसीधारकों को तेज और पारदर्शी सेवा मिलने की उम्मीद है। नए नियमों के तहत, बीमा कंपनियों के एमडी और सीईओ की जिम्मेदारी सीधे ग्राहक सेवा से जुड़ी है। उनका बोनस और अतिरिक्त वेतन अब इस बात पर निर्भर करेगा कि क्लेम कितनी तेजी व पारदर्शिता से निपटाए जा रहे हैं। कंपनियों को हर 15, 30 और 60 दिन में ग्राहकों को क्लेम की स्थिति बतानी होगी, जिससे उन्हें बेवजह कार्यालय के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त पॉलिसी में पता, मोबाइल नंबर या नॉमिनी बदलने जैसे कार्य अब 7 दिनों के भीतर पूरे करने होंगे; देरी होने पर इसे शिकायत माना जाएगा। आईआरडीएआई ने कंपनियों के कामकाज की निगरानी हेतु छह प्रमुख मानदंड भी तय किए हैं, जिनमें क्लेम सेटलमेंट रिकॉर्ड और शिकायत निपटान शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन सख्त नियमों से बीमा क्लेम प्रक्रिया आसान और तेज होगी, जिससे ग्राहकों को समय पर भुगतान मिलेगा और कंपनियों पर पारदर्शिता बनाए रखने का दबाव बढ़ेगा।

कल से शुरू फ्लिपकार्ट की 'GRWM GRWMÓ फैशन सेल मे मिलेगा

कंटेंट, कल्चर और फैशन का नया गरम गरम तड़का

नई दिल्ली ।

फ्लिपकार्ट फैशन ने अपने नए और ट्रेंडिंग कैंपेन 'GRWM GRWM' के साथ फैशन शॉपिंग को एक नया अंदाज़ दिया है। त्वद्वर्ढ़ं के बीच लोकप्रिय "Get Read4 With स्द्न÷ ट्रेंड को भारतीय ट्विस्ट देते हुए फ्लिपकार्ट ने इसे ÷गरम गरम÷ स्टाइल में पेश किया है, जहां फैशन सिर्फ खरीदारी नहीं बल्कि कंटेंट, कल्चर और ह्यद्गद्यद्ध-e&pression का हिस्सा बनकर सामने आता है। 29 मई से 7 जून 2026 तक चलने वाली इस फैशन सेल में ग्राहकों को 10 लाख+ ट्रेंडी स्टाइल्स, 50 से ज्यादा इंटरनेशनल और होमग्रोन ब्रांड्स और कई आकर्षक ऑफर्स मिलेंगे। शुरुआती अनुमान बताते हैं कि सेल के दौरान 550 मिलियन+ विज़िट्स आने की उम्मीद है, जिसमें त्वद्वर्ढ़ं ग्राहकों की हिस्सेदारी लगभग 50त्न तक हो सकती है। फ्लिपकार्ट फैशन इस कैंपेन के जरिए पारंपरिक **End of Season Sale** को एक नए, ट्रेंडिंग और कल्चर के हिसाब से बदलने की कोशिश कर रहा है। बैगी जींस, कोरियन ट्राउज़र्स, फ्लोरल ड्रेसेज़, पलाज़ो सेट्स और वायरल फैशन ट्रेंड्स के साथ यह सेल खासतौर पर युवा ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। सेल के दौरान **LeviÓs, Nike, Puma, Titan, Asics, Red Tape, Safari, Rare Rabbit ¥õÚU The Bear House** जैसे बड़े ब्रांड्स पर 90त्न तक की छूट मिलेगी। साथ ही **Scratch Cards, SuperCoins** और बैंक ऑफर्स भी ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेंगे। फ्लिपकार्ट फैशन के वाइस प्रेसीडेंट कपिल थिरानी ने कहा, ÷आज फैशन की पसंद और नए स्टाइल्स की खोज पर खासकर युवा पीढ़ी के बीच क्रिएटर्स, ऑनलाइन समुदायों और डिजिटल संस्कृति का बड़ा प्रभाव है। 'GRWM GRWM' के जरिए हम पारंपरिक सीज़न एंड सेल को नए रूप में पेश कर रहे हैं, जो इस बात को दर्शाता है कि आज का युवा भारत फैशन को किस तरह देखता और अपनाता है। यह एक ताज़ा, ट्रेंड्स पर आधारित और आज की संस्कृति से जुड़ा खरीदारी अनुभव है। व्यक्तिगत पसंद के अनुसार सुझाव, आकर्षक फैशन डेस्टिनेशंस और बड़े व किफायती ब्रांड्स के चुने हुए विकल्पों के जरिए यह सेल देशभर के ग्राहकों तक नए फैशन ट्रेंड्स पहुंचा रही है। हम भारत के नए ग्राहकों के लिए फैशन को अधिक आसान, प्रासंगिक और सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं और यह पहल उसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।÷

भारतीय एयरलाइंस ने घटाईं घरेलू उड़ानें, ईंधन महंगा, यात्री कम

एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 10 से 22 फीसदी तक सेवाओं में की कटौती

नई दिल्ली ।

भारत की प्रमुख विमानन कंपनियां, एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस, विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों और अपेक्षा से कम यात्री मांग के कारण अपनी घरेलू उड़ानों में अस्थायी रूप से 10 से 22 प्रतिशत तक की कटौती कर रही हैं। यह फैसला पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से बढ़ी परिचालन लागतों और हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के मद्देनजर लिया गया है। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार एयर इंडिया जून और जुलाई के लिए अपनी घरेलू उड़ानों में 20-22 प्रतिशत की कटौती करेगी, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस जून के लिए अपनी घरेलू सेवाओं में 10 प्रतिशत की कमी कर रही है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए घरेलू उड़ानों में 12-15 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की है। ये सभी कटौती ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के तहत निर्धारित उड़ानों की तुलना में की गई हैं। एयर इंडिया प्रति सप्ताह लगभग 3,600 घरेलू उड़ानें संचालित करती है, जिसमें 22 फीसदी की कटौती से प्रति सप्ताह 790 से अधिक सेवाएं प्रभावित होंगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस की लगभग 2,400 घरेलू उड़ानों में 10 फीसदी से कम का असर होगा। वहीं, इंडिगो, जो प्रति सप्ताह लगभग 13,000 घरेलू उड़ानें संचालित करती है, ने

मांग में कमी और वार्षिक मौसमी समायोजन को भी इस कटौती का कारण बताया है।

एयरलाइंस का यह कदम लागतों को नियंत्रित करने और मौजूदा बाजार परिस्थितियों के अनुकूल होने की रणनीति का हिस्सा है।

एशियाई शेयरों में गिरावट, वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स लुढ़का

नई दिल्ली।

ईरान पर यूएस के नए हमले के बाद गुरुवार को एशियाई शेयर गिरे। जबकि वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स सुबह के कारोबार में भारत के समय के अनुसार, 1 फीसदी तक गिर गए। नैस्डेक फ्यूचर्स 0.9 फीसदी नीचे थे। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.41 फीसदी गिरे और डाउ जोन्स फ्यूचर्स 0.21 फीसदी फिसले, जो बाद में यूएस मार्केट के लिए कमजोर शुरुआत का संकेत देते हैं। यूएस मिलिट्री ने ईरान के खिलाफ डिफेंसिव स्ट्राइक बताया, जिसके बाद एशियाई मार्केट में ज़्यादातर गिरावट देखी गई। एक दिन पहले तेज़ी से गिरने के बाद तेल की कीमतें भी यूएसडी 1 प्रति बैरल से ज़्यादा बढ़ गई। शुरुआती एशियाई ट्रेड में जापान का निक्केई 225 0.1 फीसदी से कम बढ़कर 65,039.78 पर आ गया, जबकि साउथ कोरिया का कोस्पी 1.2 फीसदी गिरकर 8,126.67 पर आ गया। हॉन्ग कॉन्ग का हैंग सेंग इंडेक्स 1.9 फीसदी गिरकर 24,855.86 पर आ गया, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.3 फीसदी गिरकर 4,080 पर आ गया।

भारत का ऊर्जा क्षेत्र रिकॉर्ड निवेश के लिए तैयार, 170 अरब पार होने की उम्मीद

वृद्धि मुख्य रूप से सौर ऊर्जा और तेल शोधन के तीव्र विस्तार के दम पर होगी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का ऊर्जा क्षेत्र 2026 तक रिकॉर्ड 170 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश का गवाह बनने वाला है। यह वृद्धि मुख्य रूप से सौर ऊर्जा और तेल शोधन के तीव्र विस्तार के दम पर होगी, क्योंकि देश बढ़ती ऊर्जा मांग व स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है। आईईए की विश्व ऊर्जा निवेश 2026 रिपोर्ट बताती है कि पिछले पांच वर्षों में भारत में ऊर्जा निवेश औसतन 11 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ा है। इस दौरान सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) में 25 प्रतिशत और तेल शोधन में 23 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। शोधन क्षेत्र में मजबूत निवेश से भारत 2030 तक अपनी क्षमता में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि करने की ओर अग्रसर है। हालांकि, 2020 के बाद से तेल और गैस के अपस्ट्रीम क्षेत्र में निवेश औसतन सात प्रतिशत प्रतिवर्ष घटा है। इसके विपरीत, भारत कोयला आपूर्ति में दूसरा सबसे बड़ा निवेशक है, जहां निवेश तीन गुना बढ़कर 2026 में 13 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। ऊर्जा व्यय में लगभग आधी हिस्सेदारी बिजली क्षेत्र की है। सौर निवेश 20 अरब डॉलर तक पहुंचने के दम पर भारत ने 2025 का गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता लक्ष्य पांच साल पहले ही हासिल कर लिया। अब जीवाश्म ईंधन पर हर एक डॉलर के मुकाबले नवीकरणीय ऊर्जा पर तीन डॉलर का निवेश हो रहा है। देश ग्रिड आधुनिकीकरण और बैटरी भंडारण पर भी खर्च बढ़ा रहा है।

नीति निर्माण को जमीनी रूप, वित्त मंत्रालय का राष्ट्रव्यापी उद्योग दौरा

डीईए के वरिष्ठ अधिकारी बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं का भी दौरा करेंगे

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने आर्थिक नीति निर्माण को सशक्त बनाने और पश्चिम एशिया संकट जैसी वैश्विक चुनौतियों के प्रबंधन हेतु उद्योग की जमीनी प्रतिक्रिया जानने के लिए एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू किया है। वित्त मंत्रालय का आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) इसके तहत देश भर में विनिर्माण इकाइयों और औद्योगिक समूहों का दौरा करेगा। यह पहल आर्थिक नीतियों को वास्तविक समय की जानकारी से जोड़ने और आगामी केंद्रीय बजट प्रस्तावों में साक्ष्य-आधारित नीतिनिर्माण को मजबूत करने पर केंद्रित है।

डीईए के वरिष्ठ अधिकारी सूक्ष्म, लघु एवं मझोली विनिर्माण इकाइयों के साथ-साथ बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं का दौरा करेंगे। इन दौरों का उद्देश्य बुनियादी ढांचे, नियामकीय अड़चनों, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान, वित्त तक पहुंच, कौशल की कमी और प्रौद्योगिकी अपनाने जैसी परिचालन एवं नीतिगत चुनौतियों पर प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करना है।

सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में मजबूती के बावजूद, वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया संकट के चलते कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, रुपये में कमजोरी और आपूर्ति शृंखलाओं में बाधा जैसी समस्याओं ने निजी निवेश को असमान बना रखा है। इन समस्याओं की गहराई को समझने के लिए डीईए अधिकतम पांच सदस्यों के दल भेजेगा, जिनकी अगुवाई अतिरिक्त सचिव या संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी करेंगे।

ये दल विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में दो से तीन दिन का दौरा करेंगे, जिसमें कम से कम दो स्टार्टअप से बातचीत भी शामिल होगी। कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अनुसार दलों को विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, रोजगार एवं अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) को कंपनियों और अधिकारियों के बीच बातचीत को सुगम बनाने को कहा गया है।

इन दौरों से प्राप्त विस्तृत क्षेत्रवार रिपोर्ट 10 दिन के भीतर आर्थिक कार्य सचिव को सौंपी जाएंगी, ताकि नीति निर्माण और क्रियान्वयन में सुधार किया जा सके और जमीनी हकीकतों के अनुरूप लक्षित हस्तक्षेप सुनिश्चित हो सकें।

दिल्ली में बीएंडबी इकाई के लिए नया मसौदा जारी, आठ कमरों की अनुमति का प्रस्ताव

सुरक्षा और स्वच्छता मानकों पर विशेष जोर; 30 दिनों में मांगे गए सुझाव

नई दिल्ली ।

दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में आवासीय संपत्तियों में बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) इकाइयों के संचालन के लिए एक नई मसौदा नीति जारी की है। इस नीति के तहत अब निजी घरों में अधिकतम आठ कमरों और 16 बिस्तरों तक की बीएंडबी इकाईयां संचालित करने की अनुमति दी जाएगी, जिसका उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय निवासियों के लिए आय के नए अवसर पैदा करना है।

दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा जारी मसौदा प्रस्ताव में बीएंडबी इकाइयों को दो मुख्य श्रेणियों- गोल्ड और सिल्वर में वर्गीकृत करने की बात कही गई है। इन इकाइयों का वर्गीकरण कमरे के आकार, उपलब्ध सुविधाओं, स्वच्छता और सुरक्षा मानकों के आधार पर किया जाएगा।

गोल्ड श्रेणी के लिए कमरों का न्यूनतम आकार 120 वर्ग फुट और बेहतर सुविधाएं अनिवार्य होंगी, जबकि सिल्वर श्रेणी में 100 वर्ग फुट के कमरे और बुनियादी सुविधाएं पर्याप्त मानी जाएंगी। मसौदा नीति में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सभी बीएंडबी इकाइयों के लिए अतिथि रजिस्टर का रखरखाव, पुलिस सत्यापन और विदेशी मेहमानों से संबंधित नियमों का पालन अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त, आग बुझाने का उपकरण, प्राथमिक उपचार किट और आपातकालीन संपर्क विवरण रखना भी आवश्यक होगा। नीति में सीसीटीवी कैमरों को केवल प्रवेश द्वार और सामान्य क्षेत्रों तक सीमित रखने का भी प्रस्ताव है, ताकि मेहमानों की निजता सुनिश्चित की जा सके।

स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए, कमरों और साझा स्थानों की नियमित सफाई, कचरे का उचित पृथक्करण और पर्याप्त खुली हवा सुनिश्चित करनी होगी। परिसर में मालिक या एक केयरटेकर की उपलब्धता भी अनिवार्य रहेगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह नीति केवल आवासीय संपत्तियों पर लागू होगी और इन इकाइयों में रेस्टोरेंट, बार या किसी अन्य व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति नहीं होगी। इस कदम से पर्यटकों को किफायती और स्थानीय अनुभव वाले ठहराव का विकल्प मिलेगा, जिससे दिल्ली का पर्यटन क्षेत्र मजबूत होगा। इस मसौदा नीति पर हितधारकों और आम जनता से 30 दिनों के भीतर सुझाव मांगे गए हैं, जिसके बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

होर्मुज व्यवधान के बीच तेल कंपनियों का मुनाफा सामान्य, अप्रत्याशित लाभ नहीं

लक्ष्य 2030 तक शोधन क्षमता को 31 करोड़ टन प्रति वर्ष से अधिक तक बढ़ाना

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 77,821 करोड़ रुपए का मुनाफा अर्जित किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़ा संकट-प्रेरित अप्रत्याशित लाभ नहीं, बल्कि सामान्य लाभप्रदता की वापसी को दर्शाता है, जो देश की ऊर्जा सुरक्षा और शोधन क्षमता के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण है। विपक्षी दलों की आलोचना वित्त वर्ष 2024-25 के मुकाबले 130 फीसदी को लेकर रही है। हालांकि, वित्त वर्ष 2024-25 में लाभ घटकर 33,602 करोड़ रुपए हो गया था क्योंकि ओएमसी ने घरेलू एलपीजी कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए 40,434 करोड़ रुपए का घाटा उठाया था। इस एकमुश्त बोझ को समायोजित करने पर, मौजूदा लाभप्रदता वित्त वर्ष 2023-24 के 80,986 करोड़ रुपए के संयुक्त लाभ के करीब है। करीब 20 लाख करोड़ रुपये के संयुक्त कारोबार पर तीन से चार प्रतिशत का शुद्ध मुनाफा वैश्विक शोधन मानकों के अनुरूप है। उद्योग जगत के अधिकारियों का कहना है कि यह आय पूंजीगत व्यय, रिफाइनरी उन्नयन और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जरूरी है। लक्ष्य 2030 तक शोधन क्षमता को 31 करोड़ टन प्रति वर्ष से अधिक तक बढ़ाना है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल की हालिया मूल्य वृद्धि का भी बचाव किया है, यह बताते हुए कि भारत में बढ़ोतरी पड़ोसी देशों से सीमित रही है।

आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-2 में आज होगा टाइटंस और रॉयल्स का मुकाबला

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र का क्वालिफायर-2 मुकाबला शुक्रवार को यहां गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स टीमों के बीच खेला जाएगा। इसमें दोनो ही टीमें जीत हासिल कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना चाहेंगी। इस मैच में हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। इस मैच में एक भी गलती इन टीमों को भारी पड़ सकती है। इस मैच में शुभमन गिल की गुजरात टाइटंस पर दबाव रहेगा। इसका कारण है कि पहले क्वालीफायर में गुजरात की बल्लेबाजी असफल रही थी। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी प्रभावी नहीं रहे थे। टीम की फिल्डिंग बेहद लचर रही जिस कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आसानी से मैच जीत लिया। ऐसे में गुजरात को अगर जीत हासिल करनी है तो उस अपनी फिल्डिंग में सुधार करना होगा। आरसीबी के खिलाफ टीम ने काफी कैच छोड़े थे जिससे मैच उसके हाथ से फिसल गया था। इस मैच में अब गुजरात को अच्छी फिल्डिंग करने के साथ ही रन भी बनाने होंगे। साई सुदर्शन और शुभमन पर रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान को विकेट लेने होंगे।

वहीं दूसरी और एलीमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को हराने से उत्साहित कप्तान रियान पराग की राजस्थान रॉयल्स इस मैच में बड़े हुए मनोबल से उतरेगी। सनराइजर्स के खिलाफ उसके बल्लेबाजों विशेषकर वैभव सूर्यवंशी ने आतिशी पारी खेली थी। जिसे अब वह दोहराना चाहेंगे। वैभव ने जिस प्रकार 28 गेंदों पर तेजी से 97 रन बनाये थे। उसे मैच राजस्थान की ओर मुड़ गया था। ऐसे में गुजरात के गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती वैभव से निपटना रहेगा। इसके अलावा सनराइजर्स के खिलाफ घातक गेंदबाजी करने वाले जोफ्रा आर्चर से भी गुजरात के बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। आर्चर ने सनराइजर्स के खिलाफ मैच में अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड के विकेट शुरुआत में ही लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था। जिससे टीम अंत तक उबर नहीं पायी थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए थे जिसमें से गुजरात ने 7 जबकि राजस्थान ने 4 जीते है।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), डोनोवान फरेरा, दासुन शनाका, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा, यश राज पुंजा।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिद्धू, जेसन होल्डर, राशिद खान, कुलवंत खेजरोलिया, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

विनेश मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची डब्ल्यूएफआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की इजाजत देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। डब्ल्यूएफआई की इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। इसके बाद ही ये स्पष्ट हो पाएगा कि विनेश ट्रायल में भाग ले सकेंगी या नहीं।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने 22 मई को अपने एक आदेश में विनेश को ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी थी। अदालत ने डब्ल्यूएफआई को 30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल्स की वीडियो रिकॉर्डिंग करने का भी निर्देश दिया था, जिसमें स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) और इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ को विनेश फोगाट को भेजे गए एक नोटिस के लिए कड़ी फटकार भी लगाई थी। डब्ल्यूएफआई ने उस नोटिस में कहा था कि पेरिस ओलंपिक में विनेश का वजन ज्यादा होने के कारण बाहर होना देश के लिए शर्म का विषय था। हाईकोर्ट ने इस नोटिस को अनुचित ठहराया था। डब्ल्यूएफआई की यह चुनौती पूर्व के उन बयानों से उलट है, जिसमें महासंघ के सूत्रों ने कहा था कि वे अदालत के आदेश का सम्मान करेंगे और इस फैसले को चुनौती नहीं देंगे। हालांकि, महासंघ ने पहले यह संकेत जरूर दिया था कि अगर विनेश ट्रायल्स के जरिए क्वालीफाई कर भी लेती हैं, तो भी लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं। उनका तर्क था कि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सूची इस महीने की शुरुआत में ही जापान भेजी जा चुकी है। संघ की तरफ से यह भी कहा गया था कि अगर उन्हें एक आइकॉनिक खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया भी जाता है, तो उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग में ही मुकाबला करना होगा। अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं कि वह इस जटिल मामले में क्या फैसला लेता है। शुक्रवार को होने वाली सुनवाई के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि पहलवान विनेश फोगाट के एशियाई खेलों के ट्रायल में हिस्सा लेने का मार्ग प्रशस्त होगा या उन्हें एक और कानूनी लड़ाई का सामना करना पड़ेगा।

आईपीएल2026 : वैभव सूर्यवंशी ने 97 रनों की रिकॉर्ड पारी के साथ हासिल की ऑरेंज कैप

न्यू चंड़ीगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्य के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 29 गेंदों में 97 रनों की रिकॉर्ड पारी खेल कर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में एक बार फिर स ऑरेंज कैप पर कब्जा कर लिया है। वैभव सूर्यवंशी ने ने बुधवार की रात 12 छक्के लगाते हुए एक IPL सीजन में सर्वाधिक छक्कों का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह गेल के सबसे तेज IPL शतक (30 गेंद) के रिकॉर्ड को भी तोड़ने के बेहद क़रीब थे लेकिन 29वीं गेंद पर ही 97 रन बनाकर आउट हो गए।

सूर्यवंशी अब 680 रनों के साथ ऑरेंज कैप टेबल में शीर्ष पर हैं। जो दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात टाइटंस साई सुदर्शन से 28 रन अधिक हैं। तीसरे स्थान पर जीटी के कप्तान शुभमन गिल हैं तो वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 600 रनों के साथ छठे स्थान पर हैं। ध्रुव धुरेल ने एसआरएच के खिलाफ 21 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली जिसके बाद उनके 508 रन हो चुके हैं और वह 11वें स्थान पर आ गए हैं। SRH के हाइनरिक क्लासन (624 रन), इशान किशन (602 रन) और अभिषेक शर्मा (563 रन) ने तीसरे, पांचवें और आठवें स्थान पर रहते हुए सीजन समाप्त किया है।

पर्पल कैप तालिका में की बात की जाए तो इस सीजन कई मौको पर जोफ्रा आर्चर ने अपनी गेंदों से सबको आश्चर्य में डाला है। पावरप्ले में अपनी गेंदबाजी से आर्चर ने अलग ही खौफ पैदा किया है। ररको पिछले दो मैचों में लगातार जीत ही हासिल करनी थी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ आर्चर ने 17 रन देकर तीन विकेट निकाले। SRH के खिलाफ उन्होंने 58 रन दिए लेकिन तीन विकेट भी हासिल किए। आर्चर के महगे होने पर इसलिए किसी ने ध्यान नहीं दिया क्योंकि उन्होंने तीनों बड़े विकेट निकाले और सब पावरप्ले में ही लिए।

आर्चर अब 24 विकेट इस सीजन ले चुके हैं। उनसे आगे दो ऐसे गेंदबाज़ हैं जो अब भी और विकेट हासिल कर सकते हैं। ररब्क के भुवनेश्वर कुमार और जीटी के कगिसो रबाडा दोनों के नाम 26 विकेट हैं।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में खेलते दिखेंगे ऑलराउंडर विजय शंकर

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर विजय शंकर अब श्रीलंकाई प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट क्रिकेट में खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा सत्र 17 जुलाई से 8 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग की ओर से 1 जून को होने वाले प्लेयर ड्राफ्ट के लिए बड़े नामों की सूची जारी कर दी गई है। कैंडी रॉयल्स टीम की इसके लिए जारी सूची में विजय शंकर का नाम सबसे पहले शामिल है। विजय के अलावा इंग्लैंड के मोईन अली और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन भी इस लीग में खेलेंगे। इन दोनो को ही इसकी संबंधित फ्रेंचाइजियों ने रिटेन किया है, जिससे इस सत्र में रोमांचक प्रतिस्पर्धा की उम्मीद जतायी जा रही है।

साल 2019 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम में शामिल रहे विजय शंकर ने अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेकर रिकार्ड बनाया था। वह कैंडी रॉयल्स की टीम की ओर से खेलेंगे। उनके आने से उत्साहित लीग की आरे से कहा गय कि तमिलनाडु के इस तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के आने से कैंडी की टीम और बेहतर हुई है। इस टीम में मोईन अली के साथ-साथ श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज और वानिंदु हसरंगा भी शामिल हैं। विजय शंकर ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वह अंतरराष्ट्रीय लीग खेलते दिखेंगे। उन्होंने साल 2018 और 2019 के बीच भारत की ओर से 12 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे।

आईपीजी ग्रुप के संस्थापक और सीईओ अनिल मोहन संखधर ने लीग के बढ़ते प्रभाव को लेकर कहा, श्रीलंका प्रीमियर लीग लगातार दुनिया के प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देशों से बेहतरीन प्रतिभाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, जो वैश्विक टी20 लीग के बढ़ते कद को दिखाता है। विजय शंकर, मोईन अली, शाकिब अल हसन और श्रीलंका के कई अन्य दिग्गज खिलाड़ियों के इस सीजन में शामिल होने से इसमें उच्च गुणवत्ता वाला क्रिकेट देखने को मिलेगा जिससे अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए ये एक मजबूत मंच के रूप में उभर रहा है। हमारा मुख्य लक्ष्य दक्षिण एशिया में लीग की उपस्थिति को मजबूत करना है, साथ ही खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करना है।

पिछली बार की डिफेंडिंग चैंपियन और ररकके इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी, एससी जाफना किंग्स ने भी अपनी टीम को बेहतर बनाए रखने के लिए बांग्लादेश के स्टार खिलाड़ी शाकिब अल हसन के साथ-साथ श्रीलंकाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दुनिथ वेलालगे और भानुका राजपक्षे को रिटेन किया है। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, हर फ्रेंचाइजी को ड्राफ्ट से पहले दो विदेशी और दो श्रीलंकाई मार्की खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी।

इस छठे सत्र में एससी जाफना किंग्स, कैंडी रॉयल्स, दांबुला सिक्सर्स, गाले गैलेंट्स और कोलंबो कैप्स की टीमें डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से खिलेंगी जिसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे। यह टूर्नामेंट 17 जुलाई को कोलंबो के एसएससी ग्राउंड में एक उद्घाटन समारोह और जाफना किंग्स तथा गाले गैलेंट्स के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा और 8 अगस्त को आर. प्रेमदासा स्टेडियम में फाइनल के साथ समाप्त होगा। इस लीग में दांबुला सिक्सर्स के लिए रीजा हेंड्रिक्स (दक्षिण अफ्रीका) और दिनेश चांदीमल (श्रीलंका); गाले गैलेंट्स के लिए ईशान मलिंगा (श्रीलंका) और दासुन शनाका (श्रीलंका); तथा कोलंबो कैप्स के लिए कुसल मेंडिस (श्रीलंका) और कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका) शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के होने से से सत्र रोमांचक होना तय है।

बुमराह हो या कमिंस, किसी के रसूख से नहीं डरता सूर्यवंशी : ध्रुव जुरेल

मुल्लांपुर । राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने अपने साथी वैभव सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में भी वह विरोधी गेंदबाज की ख्याति से भयभीत नहीं होता। 15 वर्ष के सूर्यवंशी ने IPL में जसप्रीत बुमराह से लेकर पैट कमिंस तक सभी की बखिया उधेड़ी है। मोहम्मद सिराज, जोश हेजलवुड और कैगिसो रबाडा की गेंदों पर भी उन्होंने खूब रन बनाए हैं। बुधवार को उन्होंने कमिंस को लगातार तीन छक्के लगाए। सूर्यवंशी के 29 गेंद में 97 रन की मदद से रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को हराकर दूसरे क्वालीफायर में जगह बनाई। जुरेल ने कहा, 'वैभव के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह कुछ योजना बनाकर नहीं खेलता क्योंकि वह बहुत अभ्यास करता है और उसे खुद पर भरोसा है। उसे खुद पर एक पल को भी संदेह नहीं होता कि वह ऐसा नहीं कर सकेगा।' इस सत्र में छह अर्धशतक जमा चुके जुरेल ने कहा, 'जब हम अकादमी में जाते हैं तो हमसे कहा जाता है कि गेंदबाज को नहीं, गेंद को देखो। 17 बरस की उम्र में हम हमेशा गेंदबाज को देखते हैं कि यह इतना बड़ा गेंदबाज है लेकिन वैभव सिर्फ गेंद को देखता है। वह किसी गेंदबाज की परवाह नहीं करता।'

आईपीएल 2026 में लीग स्तर पर ही बने कई नये रिकार्ड

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र के लीग स्तर पर ही कई नये रिकार्ड बने हैं। वहीं कई पुराने रिकार्ड टूटे हैं। इस सत्र में हुए 70 लीग मैचों में पांच ऐसे बड़े रिकार्ड बने हैं जिससे आईपीएल एक नये युग में पहुंच गया। कई दिग्गज भी इन आंकड़ों को देखकर हैरत में पड़ गये हैं। इस सत्र में उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कई नये रिकार्ड बनाये। आक्रामक बल्लेबाजी से बड़े-बड़े गेंदबाजों को नाकाम कर दिया। वैभव ने लीग स्तर के 14 मैचों में ही कुल 583 रन बना दिये थे। इस प्रकार वह आईपीएल इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने एक सत्र में 500 से अधिक रन बनाए हैं। वैभव ने 53 छक्के लगाकर एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह एक सत्र में 500 रन और 50 छक्कों का आंकड़ा हासिल करने वाले पहले भारतीय और दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। व्यक्तिगत चमक में चेन्नई सुपर किंग्स के उर्विल पटेल ने भी इतिहास रचा। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सिर्फ 13 गेंदों में ही अर्धशतक लगाकर यशस्वी जायसवाल के सबसे तेज आईपीएल अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। यह पिछले तीन सालों में इस रिकॉर्ड की पहली बराबरी है, जिसने प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के दिये 264 रनों के विशाल लक्ष्य को भी इस सत्र में पंजाब किंग्स ने 265 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस सीजन में रनों की ऐसी बाढ़ रही कि 200 रन का स्कोर भी सुरक्षित नहीं रहा। पिछले साल 2025 में जहां पूरे टूर्नामेंट में 52 बार 200 या उससे अधिक का स्कोर बना था, वहीं आईपीएल 2026 के लीग स्टेज के 70 मैचों के दौरान ही यह आंकड़ा 61 तक पहुंच गया। इसस अब आईपीएल मुकाबले हाई-स्कोरिंग हो गये हैं। इसके अलावा, बल्लेबाजों ने 14 शतक लगाकर साल 2024 के में सबसे ज्यादा शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा की

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने गुरुवार को आगामी महिला टी-20 विश्वकप 2026 के लिए अधिकारियों के पैनल की घोषणा कर दी है। यह महिला टी-20 विश्व कप का लगातार तीसरा एडिशन होगा जिसमें पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों पैनल होगा, जिसमें कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी सभी 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में अपने टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगी।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा, 'आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों का यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व का दायरा बढ़ाने के ICC की प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम इन अधिकारियों की प्रोग्रेस और ICC CWC 2025 के दौरान उनके द्वारा दिखाए गए ऊंचे मानकों को देखकर बहुत खुश हैं। जैसे ही हम दुनिया के सबसे बड़े महिला स्पोर्टिंग प्रतियोगिता को आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं, यह चयन इस एथलेटिक स्पर्धा को और बढ़ाएगा।'

टी20 विश्व कप के 33 मैचों में कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी इस्तेमाल किए जाएंगे जिसमें 2024 एडिशन से मैच अधिकारियों की टीम के 9 सदस्य आने वाले इवेंट के लिए वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी हैं क्योंकि वह टूर्नामेंट में अपनी छठी उपस्थिति के लिए तैयार हो रही हैं, उन्होंने पहले 22 मैचों में अंपायरिंग की है, जबकि जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन - जिन्होंने इस स्टेज पर 19-19 मैचों की देखरेख की है - इंग्लैंड और वेल्स में पांच टी-20 विश्व कप के माइलस्टोन तक पहुंचेंगी।

मैच रेफरी में तीन रिटर्निंग अधिकारी शामिल हैं - शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी और मिशेल परेरा जो 2024 एडिशन का भी हिस्सा थे। चार रेफरी के ग्रुप को न्यूजीलैंड से ट्रुडी एंडरसन पूरा करेंगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

पर्थ । अपने प्रदर्शन में सुधार की कोशिशों में जुटी भारतीय महिला हॉकी टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में शुक्रवार को उतरेगी तो उसका लक्ष्य अपनी स्थिति और मजबूत करना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में नवनीत कौर के गोल पर बढ़त बना ली थी लेकिन एबी विल्सन के दो गोल के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 2.1 से जीत दर्ज की। भारत ने दूसरा मैच शूटआउट में 4.2 से जीता जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 1.1 से बराबर था। कोच शोर्ड मारिन की टीम ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए चानू पुखरामबम के गोल के दम पर वापसी की थी। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने ओलिविया डोनेस के गोल की बदौलत दसवें मिनट में ही बढ़त बना ली थी। भारतीय टीम ने अब तक डिफेंस और मिडफील्ड में काफी प्रभावित किया है। कोच मारिन हालांकि अपने स्ट्राइकरों को गोल करते देखना चाहते हैं। कप्तान सलीमा टेटे जबर्दस्त फॉर्म में दिख रही है। भारत की नजरें पेनल्टी कॉर्नर बेहतर करने पर भी लगी होंगी। विश्व रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया इस समय आठवें और भारत नौवे स्थान पर है। आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच नेशंस कप की तैयारी के लिये यह श्रृंखला काफी अहम है। इसके बाद नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक विश्व कप भी खेला जाना है। नेशंस कप के जरिये भारतीय टीम 2026-27 सत्र के लिए FIH प्रो लीग में वापसी करना चाहेगी जो लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का हॉकी क्वालीफायर भी है। फाइनल मैच शनिवार को होगा।

सिंधू और लक्ष्य सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिंगापुर । दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन ने बृहस्पतिवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अलग अलग अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि एचएस प्रणय कई गलतियों की वजह से बाहर हो गए। सिंधू ने 37 मिनट के भीतर जापान की रिको गुंजी को 21-9, 21-12 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया की आन से यंग से होगा। सिंधू कभी भी ओलंपिक चैंपियन को हरा नहीं सकी हैं और आठ बार पराजित हो चुकी हैं। पिछली हार पिछले साल चाइना ओपन में मिली थी। अमरोहा के लक्ष्य ने भी क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है क्योंकि दूसरे वरीय कुनलावुत विदितसर्ण ने महज दो अंक के बाद पीठ की समस्या के कारण रिटायर होने का फैसला किया। अब 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य का सामना जापान के कोकी वातानाबे से होगा। पुरूष युगल में चौथी वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कड़े मुकाबले में चीनी ताइपै के ली झि हुइ और यांग पो सुआन को एक घंटे तक चले मुकाबले में 21-15, 11-21, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका सामना मलेशिया के खाइ शिंग कांग और आरोन ताइ से होगा। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो भी अंतिम आठ में पहुंच गए जिन्होंने जापान की युता वातानाबे और माया तागुची को 8-21, 21-17, 21-16 से मात दी। अब उनका सामना कोरिया के किम जाए हियोन जांग और हा जियोंग तथा मलेशिया के चेन तांग जिये और तोह ई वेइ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। प्रणय आखिरी गेम में बुरी तरह पिछड़ गए और 61 मिनट तक चले मैच में घरेलू दावेदार लोह कीन यू से 18-21, 21-16, 15-21 से हार गए।

27 जुलाई से दिल्ली में होगी राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की संभावना

नई दिल्ली । 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक होगी। इस दौरान रोमांचक मुकाबले होने की संभावना है। इस चैम्पियनशिप का आयोजन दिल्ली सरकार और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें 35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है, जो इस आयोजन को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण पहचान दिलाएगा। इस चैंपियनशिप न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी बल्कि दिल्ली को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल गंतव्य के रूप में भी स्थापित करेगी। सात दिवसीय इस चैम्पियनशिप में दुनिया भर के टेबल टेनिस खिलाड़ी भी भाग लेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, स्कॉटलैंड, वेल्स, नाइजीरिया, केन्या, जमैका, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे राष्ट्रों के खिलाड़ी अपनी खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। यह विविध भागीदारी टूर्नामेंट को और भी रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी, जिससे दर्शकों को उच्च-स्तरीय खेल का अनुभव मिलेगा। इस बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयारियां जारी हैं। भारत के लिए, यह चैंपियनशिप टेबल टेनिस के प्रति बढ़ती लोकप्रियता और युवा खिलाड़ियों में इसके प्रति उत्साह को और बढ़ावा देगी। स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी इस आयोजन से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिसमें होटल, परिवहन और अन्य संबंधित सेवाओं में वृद्धि देखी जाएगी। दिल्ली ने अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में अपनी दक्षता बार-बार साबित की है, और 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

SRH का खेलने का तरीका तारीफ के काबिल है, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है : मूडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व हेड कोच टॉम मूडी ने कहा कि टीम का बैटिंग पर ज्यादा जोर देने का तरीका और उनका खेलने का कुल मिलाकर अंदाज 'तारीफ के काबिल है।' फिर भी इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने आगे कहा कि टीम में संतुलन बनाने के लिए फ्रेंचाइजी को अपनी बॉलिंग यूनिट में और ज्यादा निवेश करना चाहिए।

मूडी की ये टिप्पणियां तब आईं जब स्रञ को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के हाथों 47 रनों से हार का सामना करना पड़ा। टीम पॉइंट्स टेबल पर तीसरी सबसे बेहतरीन टीम के तौर पर प्लेऑफ में पहुंची थी। बड़े रन बनाने के लिए SRH ने अपने बल्लेबाजों हेनरिक क्लासेन (624 रन), ईशान किशन (602 रन), अभिषेक शर्मा (563 रन) और ट्रैविस हेड (410 रन) पर बहुत ज्यादा भरोसा किया।

बॉलिंग में ईशान मलिंगा (20 विकेट) और साकिब हुसैन (15 विकेट) सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि प्रफुल हिंगे और शिवांग कुमार ने काफी उम्मीदें जगाईं। लेकिन मूडी ने बॉलिंग लाइन-अप में बड़े नामों की कमी की ओर इशारा किया, सिवाय पैट कमिंस के, जिन्हें 2024 में 20.50 करोड़ रुपए में खरीदा गया था।

मूडी ने कहा, 'यह एक तारीफ के काबिल तरीका है, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस तरीके से वे अभी तक ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। हां, वे खुद को मौका देने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसकी कीमत यह भी है कि आपको उस तरीके में निवेश करना पड़ता है। जब बॉलिंग की बात आती है, तो वह निवेश नहीं हो पाता। इसलिए आप बैटिंग यूनिट के तौर पर खेलने के तरीके पर बहुत सारा पैसा खर्च कर रहे हैं। आपके पास एक मजबूत बॉलिंग यूनिट बनाने के लिए जरूरी पैसे कम पड़ जाते हैं, जो उस बैटिंग को सहारा दे सके।' उन्होंने कहा, 'यह (सब कुछ) संतुलन बनाने की कोशिश के बारे में है और मुझे लगता है कि RCB (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) ने यही किया है। उन्होंने सही संतुलन बनाया है। इसलिए मैं इस तरीके के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन जब आप सैलरी कैप और बाकी सब चीजों की बात करते हैं, तो आपको संतुलन बनाने की कोशिश करनी चाहिए।'

बीएचयू विश्वनाथ मंदिर परिसर में "युवा धर्म संसद-2026" के पोस्टर का अनावरण

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर के विश्वनाथ मंदिर के बाहर गुरूवार को युवा धर्म संसद-2026 के पोस्टर का अनावरण उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के सदस्य डॉ. हरेंद्र राय की मौजूदगी में हुआ।
अनावरण के दौरान सेवाज्ञ संस्थानम् के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की विशेष सहभागिता रही।
संस्थानम् के संरक्षक अयोध्या के संत आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण महाराज द्वारा आगामी युवा धर्म संसद-2026 के लिए पंजीकरण लिंक एवं क्यूआर कोड औपचारिक रूप से जारी किया गया। उन्होंने युवाओं का आान करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और राष्ट्रचेतना के संवाहक के रूप में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा युवा धर्म संसद इसी उद्देश्य को लेकर देशभर के युवाओं को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रही है।

आयोजक संस्था के अनुसार, युवा धर्म संसद-2026 का आयोजन इस वर्ष मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन (अवंतिका) में 17 से 19 सितम्बर 2026 के बीच होगा। यह आयोजन स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक शिकागो उद्बोधन की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय विचारों के प्रति युवाओं को जागरूक करना है। तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय आयोजन में देशभर से विद्वान, शिक्षाविद, संत-महात्मा एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजन अपने विचार रखेंगे तथा लगभग 2000 से अधिक युवाओं के साथ संवाद स्थापित करेंगे।
कार्यक्रम में राष्ट्र, संस्कृति, शिक्षा, अध्यात्म, युवा नेतृत्व एवं सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की उपस्थिति प्रस्तावित है। साथ ही मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी भाग ले सकते हैं।
पोस्टर अनावरण कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि युवा धर्म संसद केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण के लिए प्रेरित करने वाला वैचारिक अभियान है।
सेवाज्ञ संस्थानम् द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं में सांस्कृतिक गौरव, आध्यात्मिक दृष्टि और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वैश्विक शिक्षा और भारत-रूस शैक्षणिक सहयोग का मजबूत मंच बना आईआरईएस-2026 : कुलपति

कानपुर।
भारत और रूस के बीच शैक्षणिक साझेदारी, शोध सहयोग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षा मॉडल युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्वविद्यालयों को समय के अनुरूप नवाचार आधारित शिक्षा और तकनीकी शोध को बढ़ावा देना होगा। यह बातें गुरुवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहीं।
नई दिल्ली में आज इंडो-रशियन एजुकेशन समिट 2026 का शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत और रूस के शिक्षा, चिकित्सा एवं अनुसंधान क्षेत्र से जुड़े प्रतिष्ठित शिक्षाविद, नीति-निमार्ता और

विशेषज्ञ शामिल हुए।
उद्घाटन एवं स्वागत सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालयों को वैश्विक मानकों के अनुरूप शिक्षा, शोध और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना होगा।
उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधुनिक चिकित्सा शोध और डिजिटल शिक्षण उपकरण शिक्षा जगत को तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में विश्वविद्यालयों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण व्यवस्था और शोध केंद्रित शिक्षा को अपनाना होगा।
उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच शैक्षणिक साझेदारी, छात्र विनिमय कार्यक्रम और संयुक्त शोध पहल युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करेंगे। सम्मेलन में उच्च शिक्षा, चिकित्सा विज्ञान, शोध सहयोग और वैश्विक शैक्षणिक साझेदारी जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

वाराणसी में पुलिस उपनिरीक्षकों की होगी मार्किंग प्रणाली से समीक्षा, उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिलेगा चौकी का चार्ज

वाराणसी।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अब पुलिस उपनिरीक्षकों (एसआई) के कार्यों का मूल्यांकन मार्किंग प्रणाली के आधार पर किया जाएगा। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने गुरुवार को यह निर्देश जारी करते हुए पुलिसिंग व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रतिस्पर्धात्मक कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर दिया।
पुलिस आयुक्त ने रोहनिया थाना, लोहता थाना तथा मंडुवाडीह के अर्दली रूम का निरीक्षण करने के बाद कानून-व्यवस्था, अभिलेखों और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उन्होंने बताया कि जिले के सभी थानों में तैनात

उपनिरीक्षकों के कार्यों का मूल्यांकन 100 अंकों की मार्किंग प्रणाली के तहत किया जाएगा। निर्धारित व्यवस्था के अनुसार 60 दिनों के भीतर विवेचनाओं के निस्तारण पर 25 अंक, प्रार्थना पत्रों के समयबद्ध एवं संतोषजनक निस्तारण पर 25 अंक दिए जाएंगे। इसके अलावा एनबीडब्ल्यू के तहत वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई के लिए 10 अंक निर्धारित किए गए हैं।

पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपित गिरफ्तार

अमेठी। उत्तर प्रदेश में अमेठी जनपद के थाना जायस क्षेत्र में महिला से मंगलसूत्र लूट की घटना का पुलिस ने महज 10 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान लूट की वारदात में शामिल दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटे गए मंगलसूत्र का लॉकेट, तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार की सुबह रामबारी मजरे सराय महेशा निवासी सिताला ने थाना जायस में तहरीर देकर बताया कि वह अपनी बहन के साथ ई-रिक्शा से मायके ग्राम भीरा जा रही थीं। मोजमगंज पुल के पास कच्चे रास्ते पर पैदल जाते समय बाइक सवार दो युवकों ने उनके गले से मंगलसूत्र झपट लिया और फरार हो गए। घटना के बाद थाना जायस में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्जकर उनकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस को देर शाम सूचना मिली कि लूट की घटना में शामिल आरोपित खरौली से नसीराबाद की ओर जा रहे हैं।

उप्र में नौ पीसीएस अफसरों का तबादला, प्रतीक्षारत दो अधिकरियों को तैनाती मिली

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश में एक बार फिर प्रशासनिक अफसरों के तबादले हुए हैं। शासन ने गुरुवार की रात को नौ पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। इनमें प्रतीक्षारत दो अधिकरियों को भी तैनाती मिली है।
तबादले के क्रम में प्रयागराज के नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह को अपर जिलाधिकारी मीरजापुर बनाया है। उपजिलाधिकारी विनय कुमार सिंह को नगर मजिस्ट्रेट, उप्र सहाकारी चीनी मिल संघ के प्रधान प्रबंधक गुलशन को मुख्य राजस्व अधिकारी बलिया, सुरेश कुमार पाल मुख्य राजस्व अधिकारी बलिया को उप निदेशक, बाल विकास एवं पुष्टाहार निदेशालय लखनऊ बनाया है।
इसी तरह भदोही की उपजिलाधिकारी बरखा सिंह को उप्र सहाकारी चीनी मिल संघ के प्रधान प्रबंधक नियुक्त किया है। प्रतीक्षारत अविनाश गौतम को उपजिलाधिकारी आजमगढ़, अभिषेक भारती को उपजिलाधिकारी फरूर्खाबाद, अपर नगर आयुक्त अमृता सिंह को अपर जिलाधिकारी अमेठी और वाराणसी के अपर नगर आयुक्त अनूप कुमार को अपर नगर आयुक्त कानपुर का प्रभार सौंपा गया है।

पत्नी की हत्या में फरार आरोपित पति गिरफ्तार

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बाजारखाला थाना क्षेत्र में बुधवार को पत्नी की गला रेतकर हत्या के मामले में फरार आरोपित को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है।
पुलिस उपायुक्त पश्चिमी कमलेश दीक्षित ने बताया कि खलरवा लेन ऐशबाग निवासी चांदनी (26) बुधवार को ईदगाह के गेट नंबर 12 के सामने घायलवस्था में केजीएमयू ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी खंगाले गये तो पता चला कि मोहम्मद शाहिद ने अपनी पत्नी चांदनी की हत्या की है। सात साल पहले दोनों की शादी हुई थी और आए दिन घर की कलह से दोनों के बीच झगड़ा चल रहा था। चांदनी मायके में थी। बुधवार को मोहम्मद शाहिद ने मिलने के लिए चांदनी को फोन करके बुलाया था। दोपहर में वह उससे मिलने पहुंची, जहां शाहिद ने चाकू से गला रेतकर चांदनी की हत्या कर फरार हो गया था।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारूकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव
उक्त सभी पद अवैतनिक है

नदी में डूबने से लापता तीन युवकों के शव बरामद

उप्र में नौ पीसीएस अफसरों का तबादला, प्रतीक्षारत दो अधिकरियों को तैनाती मिली

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश में एक बार फिर प्रशासनिक अफसरों के तबादले हुए हैं। शासन ने गुरुवार की रात को नौ पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। इनमें प्रतीक्षारत दो अधिकरियों को भी तैनाती मिली है।
तबादले के क्रम में प्रयागराज के नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह को अपर जिलाधिकारी मीरजापुर बनाया है। उपजिलाधिकारी विनय कुमार सिंह को नगर मजिस्ट्रेट, उप्र सहाकारी चीनी मिल संघ के प्रधान प्रबंधक गुलशन को मुख्य राजस्व अधिकारी बलिया, सुरेश कुमार पाल मुख्य राजस्व अधिकारी बलिया को उप निदेशक, बाल विकास एवं पुष्टाहार निदेशालय लखनऊ बनाया है।
इसी तरह भदोही की उपजिलाधिकारी बरखा सिंह को उप्र सहाकारी चीनी मिल संघ के प्रधान प्रबंधक नियुक्त किया है। प्रतीक्षारत अविनाश गौतम को उपजिलाधिकारी आजमगढ़, अभिषेक भारती को उपजिलाधिकारी फरूर्खाबाद, अपर नगर आयुक्त अमृता सिंह को अपर जिलाधिकारी अमेठी और वाराणसी के अपर नगर आयुक्त अनूप कुमार को अपर नगर आयुक्त कानपुर का प्रभार सौंपा गया है।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी